हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 146 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, शनिवार, 14 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

प्रवासी उत्तराखण्डियों के अनुभव और सामर्थ्य से प्रदेश के विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री ने प्रवासियों से संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का किया आह्वान, 30 प्रवासियों के गांव गोद लेने की पहल की सराहना

कहा- उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी

35 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, 3.5 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को दून विश्वविद्यालय, केदारपुरम में आयोजित तृतीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने देशभर से आए प्रवासी उत्तराखण्डियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रवासी उत्तराखण्डी राज्य की अमूल्य निधि हैं। उनके अनुभव, ज्ञान, संसाधन और सामर्थ्य से प्रदेश के विकास को नई गति मिल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में ऐसा अनुभव हो रहा है, जैसे एक ही परिवार के सदस्य लंबे समय बाद अपने घर लौटकर एक स्थान पर एकत्र हुए हों। देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले उत्तराखण्डियों का अपनी मातृभूमि से भावनात्मक जुड़ाव हमेशा बना रहता है। अपनी संस्कृति, परंपराओं और जड़ों से जुड़े रहना हम सभी के लिए आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांवों को गोद लेकर उनके विकास में योगदान देने की पहल करने वाले 30 प्रवासी उत्तराखण्डियों का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण है। इससे अन्य प्रवासी भी अपने गांवों के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे।

विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा उत्तराखण्ड

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड ने बीते वर्षों में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य के बजट और प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ रोजगार, स्वरोजगार, पर्यटन, कृषि, बागवानी और औद्योगिक विकास को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। इसके साथ ही 13 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है।

3.5 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में 3.5 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इन महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए जल्द ही प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अतिथि शिक्षकों, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकत्रियों तथा भोजन माताओं के मानदेय में भी जल्द वृद्धि करेगी।

प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं, करें आमने-सामने की बहस: राहुल



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बड़ा आरोप लगाया है, राहुल ने दावा किया है कि उनका फोन टैप करवाया जा रहा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा 'मेरे सभी आरोपों का सबूत मेरे फोन में है, जिसे प्रधानमंत्री ने टैप कर रखा है. आमने-सामने की बहस से यह साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है, कौन देशद्रोही है, वह कब से देशद्रोही है, और ऐसी कई अन्य बातें जो मुझे पता हैं और मेरे फोन में मौजूद हैं.' राहुल गांधी के इस दावे के बाद राजनीतिक माहौल गर्माता जा रहा है, इस दावे के साथ ही उन्होंने फिर से बहस की चुनौती भी दी है. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के जरिए यह दावा किया है कि उनका फोन टैप करवाया जा रहा है. क्योंकि मैं जो भी आरोप लगा रहा हूं उनके सारे सबूत मेरे फोन में हैं. लेकिन मैं पीएम मोदी से वन-ऑन-वन बहस से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है. वन-ऑन-वन बहस से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कब से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है. ऐसी कई दूसरी जानकारियां भी हैं, जो मुझे पता हैं और मेरे फोन में मौजूद हैं.' राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा 'संसद में उनका माइक्रोफोन कई बार बंद कर दिया गया, उन्होंने किसान बिल, वोट चोरी, एसआईआर, चीन, नरवणे की किताब और एपस्टिन जैसे मुद्दों पर संसद में बोलने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला. इसी वजह से वह प्रधानमंत्री के साथ सार्वजनिक मंच पर बहस चाहते हैं. पिछले 12 में यह लगातार सातवां मौका है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए कहा है. फोन टैपिंग का आरोप राहुल गांधी इससे पहले भी लगा चुके हैं. 19 सितंबर 2026 को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम हुआ था, जिसमें उन्होंने फोन टैपिंग का आरोप भी लगाया था.

भारत के खिलाफ पाक की नई साजिश का खुलासा, सिखों पर डोरे क्यों?

खुद को घोषित करो खालसा और तुरंत पाओ...



नई दिल्ली। पड़ोसी देश पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) भारत के खिलाफ एक नई और खतरनाक रणनीति पर काम कर रही है। शीर्ष सुरक्षा सुत्रों ने इसका खुलासा किया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ढुस्ढू भारतीय सिखों के एक चुनिंदा वर्ग के लिए बिना पासपोर्ट स्टैम्पिंग के वीजा और यात्रा सुविधा तैयार कर रही है। इसका मुख्य मकसद खालिस्तान समर्थक और भारत-विरोधी तत्वों को बढ़ावा देना और अपने नेटवर्क को मजबूत करना बताया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि ISI के इस प्लान के तहत सिखों के उस खास वर्ग को पासपोर्ट पर बिना पारंपरिक इमिग्रेशन स्टैम्प लगवाए पाकिस्तान आने-जाने की सुविधा देने की पेशकश की गई है, जो खुद को खालसा घोषित सकेंगे। सुरक्षा से जुड़े एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, इसे इस्लामाबाद की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके ज़रिए वह सिख समूहों के साथ अपने संबंध मजबूत करना चाहता है और कथित तौर पर खालिस्तान-समर्थक तत्वों को बढ़ावा देना चाहता है। बिना स्टैम्प के डिजिटल एंट्रीः इस विशेष योजना के तहत पासपोर्ट पर कोई भौतिक आव्रजन स्टैम्प नहीं लगाया जाएगा। इसके बजाय स्पेशल ई-वीजा, स्मार्ट-गेट, डेडिकेटेड ग्रीन चैनल और डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जाएगा।

शर्म की बात... विदेशी मेहमानों की एंट्री पर रोक लगने से भड़के शशि थरूर, बोले- इसे पलटना नामुमकिन



हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में हुई भारत समिट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि इस सम्मलेन में आने वाले करीब 115 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय की मंजूरी के बाद रोक दिया है। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इसे देश के लिए शर्म की बात करार दिया। उन्होंने इस विदेशी मेहमानों को रोकने के इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह एक फैसला है, जिसे बदला नहीं जा सकता है। क्योंकि अब यह सम्मेलन हो चुका है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों की एंट्री पर रोक लगाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'भारत समिट के घटनाक्रम से जुड़ी एक निराशाजनक बात सामने आई है। जब मैं हैदराबाद पहुंचा, तो मुझे पता चला कि विदेश मंत्रालय ने जिन 315 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय ने मंजूरी दी थी, उनमें से 115 को भारत में प्रवेश करने पर रोक दिया गया या उनके वीजा रद्द कर दिए गए।

दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना दिल्ली, लाहौर को भी छोड़ा पीछे



नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में दीवाली के बाद से प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' ऐप के अनुसार, शुक्रवार सुबह एक्यूआई 403 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली लाहौर को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गई। यहां एयर क्वालिटी खतरनाक स्तर तक पहुंचने और धुएं और केहरे की घनी चादर छाने के बाद विजिबिलिटी काफी कम हो गई और लोगों का सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया।

सिव्स ग्रुप IQAir के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का एक्यूआई 334 दर्ज किया दया जो खतरनाक श्रेणी में आता है। इसी के साथ दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। हालांकि सीबीसीपी ने एयर क्वालिटी को और भी ज्यादा, यानी 403 पर दर्ज किया है। स्विस और भारतीय आंकड़ों में अंतर इसलिए हैं क्योंकि दोनों का एक्यूआई मापने का तरीका अलग-अलग है।

सीपीसीबी के मुताबिक, सुबह छह बजकर पांच मिनट पर एक्यूआई 403 था और सुबह आठ और नौ बजे भी इसी स्तर पर बना रहा।

चंडीगढ़ निगम चुनाव के लिए AAP की पहली लिस्ट जारी, 9 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में आगामी दिसंबर में नगर निगम के चुनाव होने जा रहे हैं. चुनावों को करीब आते ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं. इस बीच आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. इस लिस्ट में 9 वार्डों के लिए प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है.

दिसंबर महीने में होने वाले चंडीगढ़ नगर निगम चुनावों के लिए 9 प्रत्याशियों की घोषणा शुक्रवार (13 नवंबर) को आम आदमी पार्टी ने की है. चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 35 वार्ड हैं. आम आदमी पार्टी ने फिलहाल 35 में से 9 वार्डों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं. वहीं अन्य दलों द्वारा भी प्रत्याशियों के नाम को लेकर मंथन किया जा रहा है.

S.No.	Ward No.	Candidate Name
1	Ward No. 1	Dildar Singh
2	Ward No. 21	Gurpreet Kaur Laddi
3	Ward No. 22	Anju Katyal
4	Ward No. 23	Omkar Singh Aulakh (Sunny)
5	Ward No. 24	Kuldeep Kumar
6	Ward No. 25	Radhika Dhingra
7	Ward No.27	Ajit Singh Jind
8	Ward No. 30	Satnam Kaur
9	Ward No. 32	Adv. Arun Prabha Khurcha

आम आदमी पार्टी ने चंडीगढ़ वार्ड नंबर 1 से दिलदार सिंह, वार्ड नंबर 21 से गुरप्रीत कौर लड्डी, वार्ड नंबर 22 से अंजू कात्याल, वार्ड नंबर 23 से ओंकार सिंह औलख (सनी), वार्ड नंबर 24 से कुलदीप कुमार, वार्ड नंबर 25 से राधिका ढींगरा, वार्ड नंबर 27 से अजीत सिंह जिंद, वार्ड नंबर 30 से सतनाम कौर और वार्ड नंबर 32 से एडवोकेट अरुण प्रभा खुर्चा को प्रत्याशी बनाया है.

यह लिस्ट आम आदमी पार्टी (AAP) चंडीगढ़ की ओर से जारी की गई है. इसे 13 नवंबर 2026 को पार्टी के चंडीगढ़ अध्यक्ष विजय पाल सिंह और चंडीगढ़ प्रभारी जरनैल सिंह ने जारी किया है. अभी आम आदमी पार्टी अन्य वार्डों पर भी उम्मीदवार उतारने को लेकर चर्चा कर रही है.

इनको दोबारा मिला टिकट

इस लिस्ट में आम आदमी पार्टी की ओर से वार्ड नंबर 22 से अंजू कात्याल को दोबारा प्रत्याशी घोषित किया गया है. अंजू कात्याल इस समय वार्ड 22 से मौजूदा पार्षद हैं. वहीं वार्ड 25 से मौजूदा पार्षद योगेश ढींगरा की पत्नी राधिका ढींगरा को प्रत्याशी बनाया गया है.

आम आदमी पार्टी ने चुनाव करीब आते ही पहली सूची जारी कर प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार करने के लिए समय दे दिया है. वहीं कांग्रेस, बीजेपी की ओर से लिस्ट को लेकर सस्पेंस बना हुआ है. फिलहाल कांग्रेस और बीजेपी की लिस्ट का इंतजार किया जा रहा है. सारे समीकरणों को ध्यान में रखते हुए पार्टियों द्वारा प्रत्याशियों के नाम को लेकर विचार विमर्श चल रहा है.

दिल्ली में फिर होगा प्रोटेस्ट! OBC संगठनों ने किया रामलीला मैदान में हल्लाबोल का ऐलान, जाति जनगणना पर नाराजगी



नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से विरोध प्रदर्शनों का दौर शुरू होने जा रहा है. इस बार कोई सियासी दल नहीं बल्कि देश के ओबीसी संगठनों और सामाजिक समूहों ने केंद्र सरकार के खिलाफ हल्लाबोल करने का ऐलान किया है. ऑल इंडिया कास्ट सेंसस कोऑर्डिनेशन कमेटी ने 28 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रोटेस्ट कॉल दिया है. अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) संगठनों के समूह ने गुरुवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को विफल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और 28 नवंबर को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया. संगठनों की मांग है कि 2027 की जनगणना के मौजूदा प्रश्नावली में बदलाव किए जाएं और इसमें एक 'ड्रॉप-डाउन' विकल्प जोड़ा जाए, जिससे जातियों की सही गिनती हो सके और सभी जातियों का सही आंकड़ा जुटाया जा सके. रिपोर्ट के मुताबिक, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक आयोजक योगेंद्र यादव ने कहा, 'असमानताओं को समझने और सोशल जस्टिस सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना जरूरी है. हर समुदाय की सही तरीके से गिनती होनी चाहिए. वहीं, ऑल इंडिया ओबीसी स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी. किरण कुमार ने 2027 की जनगणना को सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक मौका बताया. उन्होंने कहा कि सभी जातियों को स्पेशल कोड देने, ओबीसी के लिए अलग ड्रॉपडाउन विकल्प बनाने और आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की मांग की जा रही है. 'ऑल इंडिया कास्ट सेंसस कोऑर्डिनेशन कमिटी' के अंतर्गत आने वाले संगठनों का मानना है कि मौजूदा प्रश्नावली जातियों की सही गिनती में मददगार नहीं होगी, जबकि सही गिनती होने पर ओबीसी के लिए कोटा बढ़ाया जा सकता था.

अंकिता भंडारी हत्याकांडः टीवी एक्ट्रेस उर्मिला सनावर का होगा नार्को टेस्ट, कोर्ट ने दिया आदेश



देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में देहरादून के सीबीआई कोर्ट ने शुक्रवार को टेलिविजन एक्ट्रेस उर्मिला सनावर के नार्को और पॉलीग्राफी टेस्ट के आदेश जारी कर दिए। सनावर के वकील ने बताया है कि टेस्ट गुजरात के गांधीनगर में किए जाएंगे लेकिन फिलहाल टेस्ट कब होंगे इसकी तारीख तय नहीं की गई है। वकील शिवानी तोमर ने पीटीआई को बताया कि 'कोर्ट में सुनवाई के दौरान नार्को और पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए सहमति दी गई है और उनके बयान को भी रिकॉर्ड में ले लिया गया है। यह फैसला हुआ है कि टेस्ट गांधीनगर में किए जाएंगे हालांकि तारीफ फाइनल नहीं हुई है। वकील ने आगे बताया कि ऐसी संभावना है कि उर्मिला सनावर का मेडिकल टेस्ट नवंबर के तीसरे हफ्ते तक करवाया जाए और इसके बाद ही नार्को और पॉलीग्राफी टेस्ट की तारीख तय होगी। आपको बता दें कि इस मामले में भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर का भी इस मामले में नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट होना है। इससे पहले 26 अक्टूबर को देहरादून की कोर्ट में पेशी से पहले सनावर के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज हुई थी जिसके बाद उन्हें सहारनपुर में उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया था। पिछले हफ्ते सनावर को हरिद्वार की एक कोर्ट ने मानहानि और जबरन वसूली के मामले में जमानत दे दी थी। मालूम हो कि ऋषिकेश के पास स्थित वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की 18 सितंबर 2022 को हत्या कर दी गई थी। रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में था मगर बीते साल हरिद्वार के ज्वालापुर से पूर्व विधायक सुरेश राठौर और खुद को उनकी पत्नी बताने वाली उर्मिला सनावर के बीच कथित बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसके बाद से यह मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत भाजपा अल्मोड़ा का सम्मेलन आयोजित

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत भाजपा नगर मंडल अल्मोड़ा की ओर से शुक्रवार को धारानौला स्थित एक होटल में शक्ति केंद्र सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में राज्य निर्माण आंदोलन, आंदोलनकारियों के संघर्ष और उत्तराखंड के विकास की यात्रा पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण जनता के लंबे संघर्ष और आंदोलनकारियों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। अलग राज्य की मांग को राजनीतिक समर्थन और निर्णायक दिशा देने में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल



बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नए राज्यों के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई और 9 नवंबर 2000 को उत्तरांचल राज्य का गठन हुआ। कैलाश शर्मा ने कहा कि राज्य आंदोलन में मातृशक्ति, युवाओं, सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों का योगदान अविस्मरणीय है। आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध उत्तराखंड बनाना सभी की जिम्मेदारी है। दर्जा राज्य मंत्री ए.के. सिकंदर पवार ने कहा कि उत्तराखंड का गठन पहाड़ की विशिष्ट परिस्थितियों, संस्कृति और पहचान को सम्मान देने वाला ऐतिहासिक निर्णय था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा केवल उत्सव नहीं, बल्कि राज्य के विकास में अपनी जिम्मेदारियों पर आत्ममंथन का अवसर है। पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की एकजुटता के साथ जनसेवा और राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री देवेंद्र भट्ट ने किया।

भाजपा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, चलाया हस्ताक्षर अभियान

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। भाजपा पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों और मामले की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को चौघानपाटा में हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया और पार्टी की ओर से लगाए गए आरोपों के समर्थन में हस्ताक्षर किए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद जोशी ने आरोप लगाया कि करीब 210 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। उन्होंने कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य से जुड़े मामले की



सीबीआई जांच कराने की मांग की। कांग्रेस के अनुसार हस्ताक्षर अभियान के दौरान एकत्र किए गए हस्ताक्षर और बैनर 20 नवंबर तक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में जमा किए जाएंगे। इसके बाद 23 नवंबर को सुबह 10 बजे प्रदेश स्तर पर रैली आयोजित की जाएगी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार गणेश गोदियाल, कुमारी शैलजा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता रैली का नेतृत्व करेंगे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे।

अभियान में जिला कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र भोज, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद जोशी, पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद जोशी, ताराचंद शाह, दीप सिंह डांगी, वैभव पांडे, निजाम कुरैशी, पूरन सिंह रौतेला, बीके पांडे, गोविंद लाल, सुशील शाह, विकास कुमार, भैरव गोस्वामी, मुकेश कुमार, पंकज कांडपाल, अजीत कार्की, उमेश गुरुरानी, गोविंद सिंह मेहरा, रॉबिन भंडारी, गोपाल भट्ट, विक्रम फर्त्याल, विनोद वैष्णव, गीता मेहरा, दिनेश पिलख्वाल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए साइबर कोषागार में विशेष अभियान 30 नवंबर तक

के.के.पी संवाददाता/देहरादून। मुख्य कोषाधिकारी, साइबर कोषागार देहरादून बी.एन. पाण्डेय ने बताया कि साइबर कोषागार देहरादून से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों की सुविधा के लिए डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र (डीएलसी) से संबंधित प्रशिक्षण एवं पेंशन संबंधी अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु 1 से 30 नवंबर, 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन पेंशनरों को डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र जमा करने में तकनीकी समस्या आ रही है अथवा पेंशन से संबंधित अन्य समस्याएं हैं, वे अपने जीआरडी नंबर, आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं स्मार्टफोन के साथ किसी भी कार्यदिवस में साइबर कोषागार, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। इस अभियान के तहत शिकायतों के निस्तारण एवं मार्गदर्शन के लिए श्री परमीत सिंह, उपकोषाधिकारी, साइबर कोषागार देहरादून को शिकायत निवारण अधिकारी नामित किया गया है। पेंशनर उनसे मोबाइल नंबर 7500370037 एवं 7500900090 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा साइबर कोषागार स्थित कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य कोषाधिकारी ने सभी पेंशनरों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाएं तथा डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र एवं पेंशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए निर्धारित अवधि में साइबर कोषागार से संपर्क करें।

कपकोट के असों गांव में लगा 'सरकार जनता के द्वार' कार्यक्रम, 21 शिकायतों में अधिकांश का मौके पर निस्तारण



के.के.पी संवाददाता। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को विकासखंड कपकोट की ग्राम पंचायत असों में 'सरकार जनता के द्वार' कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान की कार्रवाई की।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख भावना शाही, ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह शाही सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान उद्यान, पशुपालन, विद्युत, खाद्य एवं आपूर्ति, समाज कल्याण, स्वजल, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं क्षेत्रीय कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राशन कार्ड, आधार कार्ड, किसान सम्मान निधि, शौचालय, आवास, पेयजल एवं सिंचाई सहित विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे ने दुगनाकुरी तहसील एवं उपकोषागार का किया निरीक्षण, राहत वितरण में लापरवाही पर दी चेतावनी

के.के.पी संवाददाता

जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे ने शुक्रवार को दुगनाकुरी तहसील एवं उपकोषागार का निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अभिलेखों के रखरखाव तथा आपदा प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील में रखे सरकारी अभिलेखों का अवलोकन करते हुए उन्हें सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा राहत सामग्री एवं खाद्यान्न के भंडारण की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि आपदा प्रभावित एवं जरूरतमंद लोगों को समय पर राहत सामग्री और खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में साफ-सफाई एवं कार्यालयी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने





के निर्देश दिए। साथ ही उपकोषागार के कार्यों एवं व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार भूपाल गिरी गोस्वामी, राजस्व निरीक्षक विजय पाल महेता, उपनिरीक्षक पंकज सिंह बिष्ट, उपनिरीक्षक गुड्डू उपाध्याय, उपकोषाधिकारी ईश्वर पुरी सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

विधि संकाय में न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह ने विद्यार्थियों को नए आपराधिक कानूनों की दी व्यावहारिक जानकारी

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर अल्मोड़ा के विधि संकाय में शुक्रवार को उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह ने विशेष अकादमिक व्याख्यान दिया। व्याख्यान में उन्होंने विधि के विद्यार्थियों को भारतीय न्याय व्यवस्था में लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के साथ ही विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों और उनके व्यावहारिक पक्ष की विस्तार से जानकारी दी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम तथा जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन अधिनियमों की महत्वपूर्ण धाराओं, उनके व्यावहारिक उपयोग और उनसे जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों के बारे में विद्यार्थियों को



विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि विधि का अध्ययन केवल कानूनी प्रावधानों तक सीमित न रखें, बल्कि न्यायालयों में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग और न्यायिक दृष्टिकोण को भी समझें। उन्होंने कहा कि कानून की वास्तविक समझ के लिए उसके प्रावधानों के साथ-साथ न्यायालयों के निर्णयों और व्यावहारिक परिस्थितियों का अध्ययन भी आवश्यक है। अकादमिक व्याख्यान से विधि के विद्यार्थियों को नए आपराधिक कानूनों, न्यायिक प्रक्रिया और महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई। कार्यक्रम को विद्यार्थियों के विधिक ज्ञान, न्यायिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। कार्यक्रम में प्रो. ए.के. नवीन, प्रो. डी.के. भट्ट, प्रो. अमित पंत, प्रो. डी.पी. यादव, प्रो. अरशद हुसैन, डॉ. दलवीर लाल, डॉ. पीएस बोरा और डॉ. फराह डीबा सहित शिक्षक उपस्थित रहे। पुरातन छात्रों में प्रदीप सती, दीपक साह, राकेश चंद, योगेश नायल और धीरज गुप्ता तथा वर्तमान विद्यार्थियों में अनिरुद्ध पंत, डॉ. रवि साहू, अतुल यादव, भारत अधिकारी, सौरभ कठायत, पवन पंत, अनुष्का पांडे, रश्मि पांडे, अंकिता भट्ट आदि मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की राजनैतिक दलों से बैठक



के.के.पी संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में 12 नवंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दलों को ड्राफ्ट मतदाता सूची की साफ्ट कॉपी सौंपी गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 2027 में सभी राजनैतिक दलों से सहयोग की अपील की। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री किशन सिंह नेगी,सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मस्तू दास सहित भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस,बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसानों के दिलों में आज भी बसे हैं सब्जी वैज्ञानिक डॉ. अवनि कुमार सिंह

केवीके लोहाघाट में संरक्षित खेती की नींव रखी, दो नाली में एक लाख की कमाई का सिखाया हुनर

उनके मॉडल को तत्कालीन कृषि मंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पूरे राज्य में कराया था लागू

के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र लोहाघाट की स्थापना को 40 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान कई वैज्ञानिक यहां आए, लेकिन आजमगढ़ निवासी सब्जी वैज्ञानिक डॉ. अवनि कुमार सिंह को क्षेत्र के किसान आज भी मन से याद करते हैं। वर्ष 2005 से 2010 तक के अपने कार्यकाल में उन्होंने जो काम किए, वे इस केंद्र की धरोहर बन गए और उन्होंने क्षेत्र की तस्वीर व किसानों की तकदीर बदल दी।

डॉ. सिंह ने यहां पॉलीकल्चर, नेट हाउस, पॉलीहाउस, पॉली मल्चिंग, पॉली टनल, प्रो-ट्रे नर्सरी, ड्रिप सिंचाई और वाटर हार्वेस्टिंग जैसी तकनीकों की शुरुआत कराई। यूरोपीय और



प्राकृतिक रूप से रंगीन सब्जियों, चेरी टमाटर, रंगीन शिमला मिर्च, रंगीन गोभी और पत्तेदार सब्जियों जैसी महंगी सब्जियों का उत्पादन कराकर उन्होंने किसानों की आय कई गुना बढ़ा दी। एक साल में मटर की तीन फसलें लेने का तरीका भी उन्होंने ही सिखाया।

बंजर भूमि में वर्टिकल फार्मिंग के जरिए खीरा, ककड़ी, लौकी और राजमा का उत्पादन कराकर उन्होंने बेलों के सहारे के लिए पेड़ों से बल्लियां काटने की प्रथा पर भी रोक लगवाई, जिससे वन संरक्षण में मदद मिली। उन्होंने किसानों को दो नाली जमीन से एक लाख रुपये तक की आमदनी करने का हुनर सिखाया, जिसकी बदौलत कई किसान आज सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

उनके कार्यकाल में लोहाघाट केवीके अपने शोध और नवाचारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा और पंतनगर विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट केंद्रों में गिना जाने लगा। केंद्र का भ्रमण करने आए तत्कालीन कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने डॉ. सिंह के प्रयासों से प्रभावित होकर इसे संरक्षित खेती के रूप में पूरे राज्य में लागू कराया।

किसानों में उनके प्रति इतना सम्मान है कि वे आज भी उनसे लगातार संपर्क में रहते हैं और डॉ. सिंह उन्हें वैज्ञानिक सलाह देते रहते हैं। डॉ. सिंह कहते हैं कि लोहाघाट उनके लिए मायका है और यहां के किसानों के लिए वे हर जरूरी काम करने को तैयार हैं। उनके बाद डॉ. रजनी पंत ने उनके कार्यों को आगे बढ़ाया। किसानों को इस बात की टीस है कि डॉ. सिंह के समय की उपलब्धियों की जो तस्वीरें केंद्र में किसानों को प्रेरित करने के लिए लगाई गई थीं, उन्हें बाद में हटा दिया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने विकास कार्यों और कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के लिए मंजूर किए 78.18 करोड़ रुपये

सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था और आपदा राहत कार्यों को मिलेगी गति, हरिद्वार में कुंभ की अवस्थापना सुविधाओं पर भी होगा खर्च

हरिद्वार में वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया शो, म्यूजिकल फाउंटेन और भीमगोड़ा के सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों की स्वीकृति

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं सुधारीकरण, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, आपदा राहत कार्यों और कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के लिए कुल 78.18 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत धनराशि से प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के साथ ही हरिद्वार में कुंभ मेले के सफल आयोजन के लिए अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

अल्मोड़ा, पौड़ी और बागेश्वर में सड़क कार्यों को मंजूरी

मुख्यमंत्री ने जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र सल्ट में मरचूला-स्याल्दे-देवालघाट मोटर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग डोटियाल से चम्पानगर) के सुधारीकरण के लिए 7.57 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

इसी क्षेत्र में रिची-नौघर-मंडलकोट-भुजान मोटर मार्ग (एनएच-71) के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण के लिए 6.20 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

जनपद पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पोखरों मोटर मार्ग के किलोमीटर 13 से 16 तक सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 7.29 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

वहीं चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत फरसाड़ी-गढ़कोट-छांछरों मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण एवं सुधारीकरण के लिए 36.12 लाख रुपये तथा बागेश्वर जनपद के कपकोट विधानसभा क्षेत्र में रिखाड़ी-बाछम (कर्मी से विनायकधार) मोटर मार्ग के किलोमीटर 21.500 से 30.050 तक बीएम/बीसी द्वारा सुधारीकरण के लिए 9.86 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

हरिद्वार में पेयजल व्यवस्था के लिए 3.68 करोड़

हरिद्वार में बहादराबाद, ज्वालापुर और कनखल सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 3.68 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत अस्थायी पाइपलाइन बिछाने, स्टैंड पोस्ट, पीवीसी टैंक, अस्थायी जल संयोजन और वाटर फिल्टर स्थापित करने के साथ ही संबंधित कार्य एवं रखरखाव किया जाएगा।

कुंभ मेला-2027 के लिए करोड़ों की स्वीकृति

कुंभ मेला-2027 के सफल आयोजन के लिए हरिद्वार में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को भी मंजूरी दी गई है।

वाटर स्क्रीन पर मल्टीमीडिया शो के साथ म्यूजिकल फाउंटेन की डिजाइनिंग, आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग के लिए 4.43 करोड़ रुपये।

भीमगोड़ा हरिद्वार में सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन कार्य के लिए 3.43 करोड़ रुपये।

शिव मूर्ति चौक से आर्य नगर चौक तक पुराने नाले के किनारे सड़क डिवाइडर के पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7.35 करोड़ रुपये।

कुंभ एवं अर्द्धकुंभ मेला व्यवस्था के लिए मशीन, उपकरण, सज्जा एवं संयंत्र खरीदने हेतु पुलिस महानिदेशक के निवर्तन पर 10 करोड़ रुपये।

इन स्वीकृतियों से कुंभ मेले के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं और शहर के सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

ऊधमसिंह नगर के आपदा प्रभावितों को 18 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री ने जनपद ऊधमसिंह नगर में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को राहत एवं अनुग्रह सहायता उपलब्ध कराने के लिए 18 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित करने का भी अनुमोदन प्रदान किया है।

लोहाघाट डिपो को मिले नए सहायक महाप्रबंधक, दीपक सिंह ने संभाला कार्यभार

बंद पड़ी बसें चालू कराना और वर्कशॉप सुधारना पहली प्राथमिकता

बोले — हर मार्ग पर चलाएंगे रोडवेज बस, डिपो को बनाएंगे प्रदेश का मॉडल डिपो

के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। रोडवेज के लोहाघाट डिपो को लंबे इंतजार के बाद नए सहायक महाप्रबंधक मिल गए हैं। पिथौरागढ़ में सीनियर फोरमैन पद से पदोन्नत होकर आए दीपक सिंह ने शुक्रवार को लोहाघाट डिपो में सहायक महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। वे वर्कशॉप को अप-टू-डेट रखने और अपनी विशिष्ट कार्यशैली के लिए विभाग में अलग पहचान रखते हैं। कार्यभार संभालने के बाद दीपक सिंह ने बताया कि उनकी



सबसे बड़ी प्राथमिकता बंद पड़ी रोडवेज बसों को फिर से सड़क पर उतारना, वर्कशॉप की हालत सुधारना और डिपो को हर दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बुजुर्गों, छात्राओं और दिव्यांगों को दी जाने वाली यात्रा सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए हर मार्ग पर रोडवेज बस चलाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि लोहाघाट डिपो में अब तक एआरएम कार्यालय नहीं है, इसके लिए भी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की परिकल्पना के अनुरूप लोहाघाट को उत्तराखंड का मॉडल डिपो बनाने के लिए वे पूरी ताकत से काम करेंगे।

नए सहायक महाप्रबंधक के आगमन पर रोडवेज कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष महिपाल सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने उनका भावपूर्ण स्वागत किया। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि उनके आने से डिपो की स्थिति में सुधार होगा और क्षेत्र के लोगों को बेहतर और भरोसेमंद सेवाएं मिलेंगी।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण के साथ राज्योत्सव का भव्य समापन

स्थानीय उत्पादों और आजीविका समूहों को मिला प्रोत्साहन

विधायक एवं जिलाधिकारी ने किया विभिन्न विभागों और स्वयं सहायता समूहों के स्टॉलों का निरीक्षण

लक्की ड्रॉ के विजेताओं को मिले आकर्षक पुरस्कार





के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। प्रदेश के 26वें राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जनपद के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में जिला प्रशासन एवं ग्राम्य विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्योत्सव जनपद स्तरीय मिनी सरस आजीविका मेले का शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। समापन समारोह में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर लोकगीत सहित पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा पर आधारित ओपन फैशन शो के माध्यम से उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और पारंपरिक पहनावे को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। विधायक एवं जिलाधिकारी ने स्टॉलों का निरीक्षण कर समूहों के उत्पादों की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पर्यटन विभाग की ओर से जोशियाड़ा में आयोजित बेसिक कयाकिंग प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गंगा-यमुना कृषक उत्पादक संगठन के तत्वावधान में आयोजित लक्की ड्रॉ बम्पर धमाका का भी परिणाम निकाला गया। लक्की ड्रॉ में इलेक्ट्रिक स्कूटी, इलेक्ट्रिक साइकिल, स्थानीय उत्पादों के गिफ्ट हैंपर, ऊनी वस्त्र, तांबे की बोतल, सिलबट्टा ग्राइंडर, सेब की पेटियां एवं इंडक्शन चूल्हे सहित विभिन्न आकर्षक पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए गए। आजीविका समूहों द्वारा लगाए स्टॉल में सबसे अधिक बिक्री करने वाले स्टॉल समूहों को भी सम्मानित किया गया। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान यहां की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, कृषि और स्थानीय उत्पादों से है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। गांवों में महिलाएं समूहों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों से उत्पाद तैयार कर रही हैं और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मडलक में बग्वाली महोत्सव का समापन

विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने फीता काटकर किया अपराह्न सत्र का शुभारंभ

पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल और योगेश पांडेय ने दीप जलाकर की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत



के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। भैया दूज पर पारंपरिक मेले के बाद दूसरे दिन मडलक के भगवती मंदिर परिसर में रंगारंग बग्वाली महोत्सव आयोजित किया गया, जिसके साथ महोत्सव का समापन हो गया। दोपहर में विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने फीता काटकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन किया।

इस दौरान उनके साथ चांद बोहरा, अमर सिंह कोटियाल और भुवन चौबे मौजूद रहे। अपराह्न सत्र में मां सरस्वती लोक कला मंच चम्पावत के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। शाम को पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल, योगेश पांडेय और भाजपा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पाटनी ने दीप प्रज्वलित कर रात्रि के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज किया। रात में पंखुड़ी थारू सांस्कृतिक समिति खटीमा, सीडीए स्कूल मडलक की छात्राओं तथा स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिनका दर्शकों ने देर रात तक आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन फार्मेसी अधिकारी डॉ. सतीश चंद्र पाण्डेय ने किया। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति अध्यक्ष आनंद जोशी, सचिव दयाकृष्ण उपाध्याय, पूर्व प्रधान भुवन चन्द्र भट्ट, ग्राम प्रधान महेश जोशी, वासुदेव उपाध्याय, पूरन चंद्र पंत, विक्रम सिंह सामंत, उमेद सामंत, दीपक जोशी, पंडित शेखर पाण्डेय, गोविंद पाण्डेय, महेश राम, केदार पाण्डेय, प्रयाग पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, अमरनाथ बोहरा और संतोक धौनी आदि जुटे रहे।

डीएम ने सराही घास की झाड़ुओं की कारीगरी, लाल चावल और दलहनी फसलों की भी तारीफ

किसान बहादुर सिंह और क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रवीण पांडे ने की भेंट, खेतों की घेरबाड़ की उठाई मांग



के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। किसान मोर्चा के नीति अनुसंधान प्रदेश संयोजक एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रवीण पांडे और स्थानीय किसान बहादुर सिंह ने जिलाधिकारी मनीष कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जिलाधिकारी ने बहादुर सिंह द्वारा घास से बनाई गई झाड़ुओं की कारीगरी की सराहना की। उन्होंने बहादुर सिंह द्वारा स्थानीय स्तर पर उगाई जाने वाली दलहनी फसलों और लाल चावल की भी प्रशंसा की।

प्रवीण पांडे ने बहादुर सिंह सहित अन्य प्रगतिशील किसानों की समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए खेतों की घेरबाड़ कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि घेरबाड़ होने से जंगली जानवरों का खेतों में प्रवेश रुकेगा और खड़ी फसलें सुरक्षित रहेंगी। जिलाधिकारी ने उनकी बात ध्यान से सुनी और घेरबाड़ की मांग पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रवीण पांडे ने समस्या को प्राथमिकता से सुनने और कार्रवाई का भरोसा देने के लिए जिलाधिकारी का आभार जताया।

जीआईसी अल्मोड़ा में खेल मैदान और पुस्तकालय के विकास पर जोर, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने शुक्रवार को पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा का स्थलीय निरीक्षण कर विद्यालय परिसर, खेल मैदान, स्मार्ट क्लास सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय के स्वामित्व वाली समस्त भूमि की पैमाइश और सीमांकन कराने के निर्देश दिए। खेल मैदान का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इसे व्यवस्थित और विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थित पुराने और जर्जर छात्रावास भवन का भी जायजा लिया।

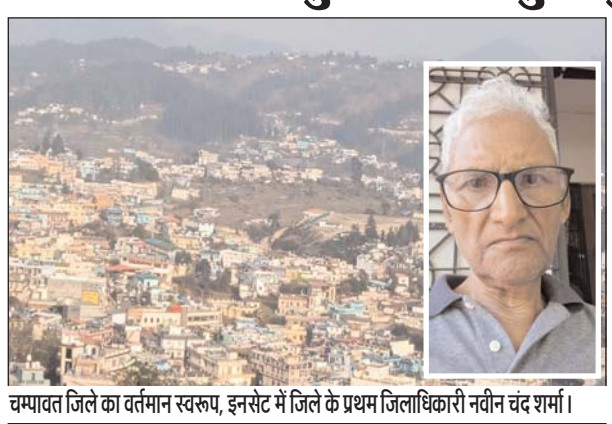


उन्होंने भवन का आवश्यक जीर्णोद्धार कर उसे आधुनिक एवं सुविधासंपन्न पुस्तकालय के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण और उपयोगी पुस्तकों की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थित पुराने और अनुपयोगी शौचालयों को तत्काल ध्वस्त करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यालय में संचालित स्मार्ट क्लास का निरीक्षण कर डिजिटल शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली तथा कक्षाओं में उपलब्ध फर्नीचर और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पिछले भ्रमण में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थलीय समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर खेल सुविधाएं और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान दर्जा राज्यमंत्री कुंदन सिंह लटवाल, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हर्षित गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी हरीश रौतेला, दशहरा समिति के पदाधिकारी अजीत सिंह कार्की एवं वैभव पांडे सहित अन्य अधिकारी और संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

जब टूटी जिप्सी और उधार की कुर्सियों से शुरू हुआ था चम्पावत जिले का सफर

जिले के पहले जिलाधिकारी नवीन चंद शर्मा ने तहसीलदार के दफ्तर में ली थी जॉइनिंग, खुद लगाई थी झाड़ू

29 माह के कार्यकाल में रखी जिले की बुनियाद, उतीस रोपण और पॉलिथीन मुक्त अभियान से बनाई अलग पहचान



चम्पावत जिले का वर्तमान स्वरूप, इनसेट में जिले के प्रथम जिलाधिकारी नवीन चंद शर्मा।

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आज मॉडल जिला चम्पावत विकास की चकाचौंध से जगमगा रहा है। चौड़ी सड़कें, आधुनिक भवन और नई-नई योजनाएं जिले की नई पहचान बन रही हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस जिले की शुरुआत कितने अभावों में हुई थी। 15 सितंबर 1997 को उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तराखंड क्षेत्र में चम्पावत समेत तीन नए जिलों के गठन की घोषणा की थी। तब पहाड़ की माटी और ग्रामीण परिवेश से निकले आईएएस अधिकारी नवीन चंद शर्मा को जिले का पहला जिलाधिकारी बनाया गया। दिलचस्प बात यह है कि उस समय वे अफ्रीका गए हुए थे और उन्हें यह पता भी नहीं था कि चम्पावत जिला बन गया है।

जिलाधिकारी के रूप में उनकी यात्रा की शुरुआत ही चुनौतियों से हुई। लखनऊ से चम्पावत आते समय खटीमा से ही उन्हें राज्य आंदोलनकारियों पर हुए अत्याचार के विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों का सामना करना पड़ा। चम्पावत पहुंचे तो जिला मुख्यालय को लेकर लोहाघाट और चम्पावत के बीच खींचतान छिड़ी हुई थी। नए जिले को विरासत में मिली एक टूटी जिप्सी, जिसका पीछे का शीशा तक उखड़ा हुआ था। ऐतिहासिक तहसील के किले के अलावा यहां न थाना था, न पेट्रोल पंप, न वर्कशॉप, न एसडीएम कार्यालय और न ही अन्य सरकारी भवन। उस समय लोहाघाट, चम्पावत की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक नगर माना जाता था। हालात इतने विपरीत थे कि शर्मा को अपनी जॉइनिंग तहसीलदार के दफ्तर में देनी पड़ी, लेकिन जीवन के संघर्षों को हंसते हुए झेलने वाले शर्मा ने कदम पीछे नहीं हटाए। पहले ही दिन उन्होंने नगर का पैदल भ्रमण कर हालात को समझा। गोरलचौड़ रोड पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के पुराने और जर्जर भवन की मरम्मत कराकर उन्होंने उसे अपना कार्यालय बनाया। यहां उन्होंने खुद झाड़ू लगाई और मरम्मत के काम में मजदूरों के साथ हाथ भी बंटाया। बैठने के लिए कुर्सियां तक उधार लेनी पड़ीं।

उस समय जिले के पास न बजट था और न कलेक्ट्रेट का कोई स्टाफ। इसके बावजूद शर्मा ने हिम्मत नहीं हारी। वे रोज रात में यह तय करते थे कि आज क्या हुआ और कल क्या करना है, और अगले दिन उसी रोडमैप पर काम शुरू हो जाता था। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता पीएन पति उस दौर में परछाई की तरह उनके साथ रहते थे और जिले की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते थे। शर्मा ने उसी दौर में चम्पावत को मॉडल जिला बनाने का सपना देखा और उसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। उनकी योजना थी कि चम्पावत के 10 किलोमीटर दायरे में आने वाले गांवों को नोटिफाइड कर नियोजित विकास किया जाए। वे सर्किट हाउस को गौड़ी रोड पर स्थापित करना चाहते थे। लेकिन 29 माह के कार्यकाल में सामने आई कई गंभीर चुनौतियों के कारण वे जिले को पूरी तरह मॉडल रूप नहीं दे पाए। बताया जाता है कि इसका मलाल उन्हें आज भी है। किसी भी स्थान के भूगोल को तुरंत समझ लेना शर्मा की खासियत थी। उनकी पारखी नजर एक बार में ही किसी जगह का पूरा खाका तैयार कर लेती थी। अपने कार्यकाल में उन्होंने मानेश्वर पार्क और सूखीढांग के पास दर्शनीय प्वाइंट विकसित किए, जो पर्यटकों को खूब भाए। भविष्य में पानी की किल्लत को भांपते हुए उन्होंने बड़े पैमाने पर उतीस के पौधे लगवाए, जो आज जिले के लिए वॉटर टावर का काम कर रहे हैं। स्वच्छता को लेकर भी शर्मा का विजन साफ था। उन्होंने चम्पावत को नीट एंड क्लीन और पॉलिथीन मुक्त बनाने की ऐसी मुहिम चलाई कि उनके कार्यकाल में शहर स्वच्छता के लिए पहचाना जाने लगा और कहीं पॉलिथीन नजर नहीं आती थी। तत्कालीन डीएफओ शेषु कुमार के साथ उनकी सोच इतनी मिलती थी कि दोनों मिलकर जिले के नियोजन से जुड़े कार्य करते थे।

'पिथौरागढ़ से चली गई श्री'

वर्ष 1997 में पिथौरागढ़ से अलग होकर चम्पावत जिला अस्तित्व में आया। तब पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी रहे देवेश चतुर्वेदी ने कहा था कि अब पिथौरागढ़ जिला अनाथ जैसा हो गया है। उनका कहना था कि मां पूर्णागिरि धाम, मां बाराही धाम, अद्वैत आश्रम मायावती और मीठे रीठे के चमत्कार के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध गुरुद्वारा रीठा साहिब जैसे स्थल अब चम्पावत में चले गए हैं, जिससे पिथौरागढ़ से मानो श्री ही चली गई है। उन्होंने यह भी कहा था कि चम्पावत के लोग खुशनसीब हैं, जिन्हें नवीन शर्मा जैसा कर्मयोगी जिलाधिकारी मिला है। उनके द्वारा रखी जा रही बुनियाद लोगों के भविष्य और सपनों को मजबूत आधार देगी और चम्पावत का भविष्य उज्ज्वल होगा।

'विकसित उत्तराखंड' में योगदान देने को प्रवासी उत्तराखंडी तैयार

प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन में विषय विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव, दिए अहम सुझाव

राज्य सरकार के विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर विस्तार से हुई चर्चा

विकसित उत्तराखंड के संबंध में प्रवासियों की भूमिका रेखांकित

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। विकसित उत्तराखंड की परिकल्पना को साकार करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रवासी उत्तराखंडी उत्साहित है। वे विकास की इस यात्रा में सहभागी बनने के लिए तैयार हैं। प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन के दूसरे सत्र में विषय विशेषज्ञों की बातों का यही निष्कर्ष निकला । उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव दिए । उन्होंने कहा कि उत्तराखंड संभावनाओं से भरा है और वे राज्य सरकार के प्रयासों के साथ जुड़कर देवभूमि की सेवा के लिए तत्पर हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तराखंड के प्रमुख सचिव डॉ. मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि राज्य सरकार विजन डॉक्यूमेंट 2047 को सामने रखकर तत्परता से काम कर रहा है। तीन चरणों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने से लेकर तीव्र व सतत विकास करते हुए लक्ष्य प्राप्ति करने तक की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के जिलों में विकास को लेकर असमानता के मद्देनजर जिला स्तर पर भी डॉक्यूमेंट तैयार किए जा रहे हैं। जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन एनवायरमेंट के पूर्व निदेशक पदमश्री प्रो ए एन पुरोहित ने उत्तराखंड सरकार के विजन डॉक्यूमेंट को एक्सीलेंट डॉक्यूमेंट की संज्ञा दी । उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक संसाधनों की बहुतायत है। खास तौर मेडिकल प्लांट की वैज्ञानिक तरीके से खेती करके विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाई जा सकती है। एलआईएनएसी, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के डीजी डॉ मनोज कुमार ने पूरे देश की तरह ही सहकारिता मॉडल से उत्तराखंड को विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं की आम जन तक सूचना पहुंचने के लिए एक ठोस व्यवस्था होनी जरूरी है। आईआईएफटी के पूर्व वीसी प्रो. मनोज पंत ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि बदलते परिवेश में उत्तराखंड को शहरी सुधारीकरण पर ध्यान देना होगा । अच्छा पर्यावरण, फल खाद्य पदार्थ, पर्यटन ये हमारे मजबूत पक्ष हैं। इन्हें लेकर आगे बढ़ना होगा ।

डिश टीवी के सीओ व ईडी मनोज डोभाल ने कहा कि हमारे प्रोडक्ट बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन बेहतर मार्केटिंग हमें सीखनी होगी। पीएचडीसीसीआई के सीईओ / जनरल सेकेट्री डॉ रणजीत मेहता ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडियों को जोड़ते हुए एक ऐसा प्लेटफार्म तैयार करना उचित रहेगा, जहां पर विषय विशेषज्ञ प्रवासी युवाओं को अपने अनुभव का लाभ दे सकें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

बीएलए-2 की नियुक्ति में तेजी लाने और मतदाता सूची को अद्यतन शुद्ध और पारदर्शी बनाने में सहयोग की अपील





के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के तहत 01 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुक्ता मिश्र की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया तथा निर्वाचक नामावली से संबंधित जानकारी दी गई और स्वागत कराया कि 12 नवंबर 2026 को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन कर दिया गया है। जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2,27,100 सामान्य मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें पुरोला विधानसभा क्षेत्र में 73,940, यमुनोत्री में 75,230 तथा गंगोत्री में 77,930 मतदाता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में 3,283 सर्विस मतदाता पंजीकृत हैं। बैठक में राजनीतिक दलों के साथ नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (BLA-2) की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिसमें राजनीतिक दलों से शेष मतदान स्थलों पर भी बीएलए-2 की नियुक्ति शीघ्र करने की अपेक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने तथा अपात्र एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के संबंध में आवश्यक सहयोग करने की अपील की।

संघर्ष की कहानी सुनाई, सफलता की राह दिखाई

प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन में युवाओं को प्रभावित कर गए अतिथियों के संस्मरण

पुरोला, सेम मुखेम जैसी जगह से निकलकर लिखे सफलता के अध्याय

युवाओं को दिया संदेश-खुद को दें चुनौती, संघर्ष से कतई ना घबराएं

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। हौसलों की उड़ान क्या होती है। संघर्ष से सफलता का रास्ता क्या होता है। चुनौतियों को स्वीकारना और उन पर विजय पाना कैसे संभव होता है। ये तमाम सारी बातें हैं, जिन्हें जानना हर किसी के लिए जरूरी है। युवाओं के लिए तो यह ज्यादा ही जरूरी है। प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन का तीसरा सत्र युवाओं को ही समर्पित था। इसलिए जब देश-दुनिया में सफलता के झंडे गाड़ चुके प्रवासी उत्तराखंडियों ने अपने संघर्ष की कहानी सुनाई, तो युवाओं के लिए कई प्रेरक संदेश भी निकले। प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन का दूसरा सत्र जहां तकनीकी बातों पर केंद्रित था, वही तीसरा सत्र जीवन की उन सच्चाइयों पर आधारित रहा, जो जमीनी हकीकत रहती है। चमोली के थराली क्षेत्र के एक सामान्य परिवार से निकलकर कैंब्रिज तक पहुंचे वैज्ञानिक डॉ भगवती प्रसाद जोशी ने अपनी संघर्ष यात्रा के विभिन्न पड़ावों का विस्तार से जिक्र किया। आईआईएससी बेंगलूरू में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जोशी ने कहा कि वर्तमान में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। युवाओं को नए-नए तकनीकी क्षेत्रों में उत्साहपूर्वक काम करना चाहिए। उत्तराखंड में सबसे कम उम्र की जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने दिल्ली में उच्च शिक्षा ग्रहण की, लेकिन रिवर्स पलायन कर टिहरी पहुंच गई। लोकल बॉडी की राजनीति में सक्रिय इशिता ने अपने संस्मरण सुनाए। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि वे खुद को चैलेंज दें और ठोस काम करके दिखाएं। कंफर्ट जोन से बाहर निकलें। अपनी आईटी कंपनी के जरिये पिथौरागढ़ जैसे सीमांत इलाके से शिक्षा व अन्य विषयों पर महत्वपूर्ण काम कर रहे जितेंद्र हनेरू ने भी अपने संस्मरण सुनाए। उन्होंने युवाओं को सुझाव दिए कि वह पढ़ाई के दौरान ही अपने स्टार्ट अप पर काम करें। अपने प्रयासों में पास फेल होने की कतई चिंता न करें।

सत्र के दौरान प्रमुख उद्यमी राजेश राणा की संघर्ष व सफलता की कहानी भी उपस्थित युवाओं व अन्य लोगों ने गौर से सुनी। टिहरी के सेम मुखेम से निकलकर कई देशों तक अपना व्यवसाय फैलाने वाले राजेश राणा ने संदेश दिया- परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढालना चाहिए। भले ही छोटा काम करने के लिए ही क्यों न मिले, उसमें हिचक नहीं होनी चाहिए। अपनी टेक्नालॉजी से संबंधित कंपनी चलाने वाले पुरोला के सेवक नौटियाल ने अपना व्यवसाय देश-दुनिया में फैलाया है। उन्होंने अपने संस्मरण सुनाए और कहा कि उद्यमिता को अपनाकर युवा अपने सपने जी सकते हैं। बालिका वधू सीरियल फेम अल्मोड़ा की रूप दुर्गापाल ने बताया कि वह इंजीनियरिंग की जॉब कर रही थीं, लेकिन जीवन में ऐसा टर्निंग प्वाइंट आया कि मुंबई तक जा पहुंची। उन्होंने कहा कि करियर के मामले में युवाओं और अभिभावकों के बीच खुला संवाद होना चाहिए। लोक कलाकार कविलास नेगी ने गीतों के महत्व पर बात की और अपना प्रसिद्ध गीत पाड़ी पाड़ी मत बोलो सुनाया। प्रसिद्ध उद्यमी शैलेश उप्रेती का रिकॉर्डेड वीडियो सत्र के दौरान चलाया गया, जिसमें उन्होंने दून विश्वविद्यालय में बैटरी इनोवेशन सेंटर बनाने के प्रस्ताव का संज्ञान लेने का राज्य सरकार से अनुरोध किया।

संपादकीय

नेहरू का त्याग और राष्ट्रनिर्माण की भावना

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल सत्ता हासिल करने या शासन चलाने से नहीं होता। उसके लिए निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण, संस्थाओं के निर्माण की दूरदृष्टि और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की कल्पना जरूरी होती है। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन इसी व्यापक अर्थ में राष्ट्रनिर्माण की एक महत्वपूर्ण मिसाल है। उनकी राजनीतिक भूमिका, साहित्यिक योगदान और आधुनिक भारत की संस्थाओं के निर्माण पर बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन उनकी निजी संपत्ति, पारिवारिक विरासत और सार्वजनिक जीवन के बीच संबंधों पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए।

इन दिनों यह दावा चर्चा में है कि नेहरू ने 1946 में अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने से पहले अपनी कुल संपत्ति का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा, करीब 196 करोड़ रुपये, राष्ट्र को दान कर दिया था। उनकी कुल संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये थी और आज के मूल्य में वह करीब 12 हजार करोड़ रुपये के बराबर होती। यह प्रसंग नेहरू की सादगी और देश के प्रति समर्पण का उदाहरण है। नेहरू की वसीयत में संपत्ति के संबंध में उनका अपना विवरण इस दावे से अलग तस्वीर पेश करता है। उसमें उन्होंने लिखा था कि पिता से मिली संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनके जीवनकाल में खर्च हो चुका था और पुस्तकों तथा अन्य लेखन से पर्याप्त रॉयल्टी मिलने के बावजूद उनकी पूंजी लगातार कम होती गई। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि निजी संपत्ति बढ़ाने में उनकी विशेष रुचि नहीं रही। यह विवरण उनके निजी जीवन और संपत्ति के प्रति दृष्टिकोण को समझने के लिए अधिक विश्वसनीय आधार देता है। इस प्रसंग में आनंद भवन और स्वराज भवन के इतिहास को अलग-अलग समझना भी जरूरी है। प्रयागराज का स्वराज भवन मूल रूप से मोतीलाल नेहरू का निवास था। उन्होंने 1930 में इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्पित कर दिया था। बाद में परिवार ने उसी परिसर में नया भवन बनवाया, जिसे आनंद भवन कहा गया। आनंद भवन को 1970 में इंदिरा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि को सौंपा। नेहरू परिवार का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं था। मोतीलाल नेहरू ने अपनी संपन्न वकालत और प्रतिष्ठित जीवनशैली को छोड़कर राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। परिवार का घर स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों का केंद्र बना। स्वराज भवन का कांग्रेस को समर्पण इसी राजनीतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। नेहरू परिवार ने जेल यात्राएं, आर्थिक कठिनाइयां और निजी जीवन की अनेक असुविधाएं झेलीं। इस इतिहास को समझने के लिए किसी अतिरंजित दान राशि की आवश्यकता नहीं है।

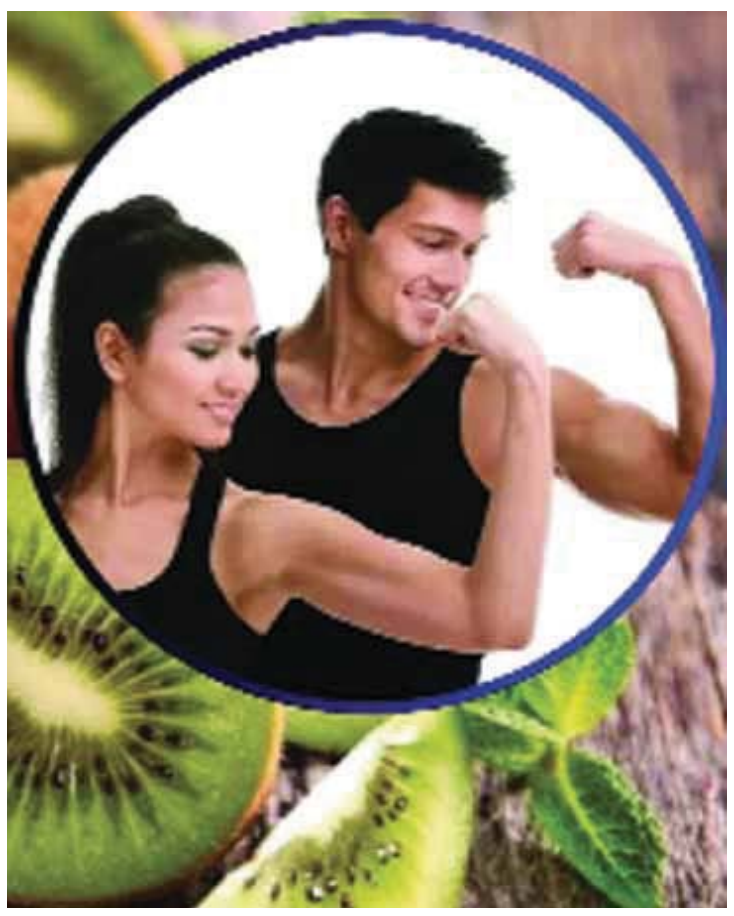
जवाहरलाल नेहरू की निजी जिंदगी को देखें तो उनमें संपत्ति संचय की प्रवृत्ति प्रमुख नहीं दिखाई देती। उनकी रुचि पुस्तकों, विचारों, लेखन, राजनीति और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम में थी। जेल में बिताए लंबे समय को उन्होंने अध्ययन और लेखन का अवसर बनाया। विश्व इतिहास की झलक, मेरी कहानी और भारत एक खोज जैसी कृतियां इसी बौद्धिक साधना का परिणाम हैं। इन पुस्तकों में उन्होंने इतिहास को केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं माना, बल्कि सभ्यताओं, समाजों, विचारों और मनुष्य की सामूहिक यात्रा के रूप में देखा। उनकी लेखकीय दृष्टि में भारत की विविधता, सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिकता की आकांक्षा एक साथ मौजूद थी। नेहरू की राष्ट्रनिर्माण संबंधी सोच का सबसे बड़ा प्रमाण स्वतंत्रता के बाद उनके नेतृत्व में विकसित संस्थागत ढांचे में दिखाई देता है। 1947 में भारत के सामने विभाजन, विस्थापन, गरीबी, अशिक्षा, सांप्रदायिक तनाव और कमजोर औद्योगिक आधार जैसी गंभीर चुनौतियां थीं। देश के पास संसाधन सीमित थे, लेकिन अपेक्षाएं बहुत बड़ी थीं। ऐसे समय में नेहरू ने लोकतांत्रिक संस्थाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान, सार्वजनिक क्षेत्र और योजनाबद्ध विकास को प्राथमिकता दी। उनका विश्वास था कि राजनीतिक स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी, जब देश आर्थिक और वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस दृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक शिक्षा और तकनीकी क्षमता का निर्माण था। नेहरू समझते थे कि भारत को गरीबी और पिछड़ेपन से बाहर निकालने के लिए केवल प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं।

आस्था, अध्यात्म और मानवीय आत्मीयता का अद्भुत संगम

विनोद कुमार सिंह

पश्चिमी घाट की प्राकृतिक छटा,भगवान सुब्रह्मण्य की दिव्य महिमा और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की निश्छल मुस्कान एवं आत्मीय सहयोग ने यात्रा को बनाया अविस्मरणीय यात्रा

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में तीर्थयात्राएँ केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे इतिहास, प्रकृति, आस्था और मानवीय संवेदनाओं से साक्षात्कार कराने का माध्यम भी होती हैं। कई बार किसी यात्रा की सबसे अनमोल स्मृति वहाँ के भव्य मंदिर, प्राकृतिक दृश्य या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनायास मिले कुछ ऐसे लोग बन जाते हैं, जिनसे परिचय जीवनभर के लिए आत्मीय यादगार बन जाता है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित कुक्के सुब्रह्मण्य की मेरी यात्रा भी कुछ ऐसी ही रही।इस यात्रा में भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन,पश्चिमी घाट की प्राकृतिक सुंदरता और मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक पलों के अतिरिक्त मंदिर की सीढ़ियों पर दो युवा छात्राओं निहारिका और साक्षा से हुई मुलाकात ने इसे एक विशेष भावनात्मक पहचान दी।मीडिया के मित्रों के साथ इस धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा का उद्देश्य दक्षिण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, मंदिरों की स्थापत्य कला और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखना था। पश्चिमी घाट की हरी-भरी पर्वत शृंखलाओं के बीच बसा कुक्के सुब्रह्मण्य अपनी धार्मिक महत्ता और प्राकृतिक रमणीयता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पहुँचकर मन में श्रद्धा, जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति आकर्षण का एक साथ अनुभव होता है। भगवान सुब्रह्मण्य की पौराणिक महिमा कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है,जिन्हें दक्षिण भारत में भगवान सुब्रह्मण्य, स्कंद और कुमारस्वामी के नाम से भी पूजा जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय की आराधना यहाँ नागराज वासुकि के साथ विशेष रूप से की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर सहित असुरों का संहार करने के बाद भगवान सुब्रह्मण्य इस क्षेत्र में आए थे। उस समय नागराज वासुकि गरुड़ के भय से यहाँ तपस्या कर रहे थे। भगवान सुब्रह्मण्य ने उन्हें अभयदान दिया और अपनी दिव्य उपस्थिति से इस स्थान को पवित्र बनाया। इसी मान्यता ने इस तीर्थस्थल को विशेष धार्मिक पहचान प्रदान की है। यह मंदिर नाग आराधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ अश्लेषा बलि, सर्प संस्कार और नाग प्रतिष्ठा जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु परिवार की सुख-शांति,समृद्धि और मंगलकामना के लिए यहाँ पहुँचते हैं। मंदिर की धार्मिक परंपराएँ दक्षिण भारत की प्राचीन वैदिक मान्यताओं और लोक आस्था का सुंदर परिचय कराती हैं। भव्य गोपुरम और दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला मंदिर के निकट पहुँचते ही इसकी भव्यता मन को आकर्षित करती है। ऊँचा गोपुरम, उस पर स्थापित देवी-देवताओं की रंगीन एवं स्वर्णिम प्रतिमाएँ, नीले और हल्के रंगों से सुसज्जित स्थापत्य तथा प्रवेश द्वार के दोनों ओर स्थापित देव प्रतिमाएँ दक्षिण भारतीय मंदिर निर्माण परंपरा की विशिष्ट पहचान प्रस्तुत करती हैं। मंदिर की विशाल सीढ़ियाँ और ऊँचा ध्वजस्तंभ इसकी धार्मिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की भक्ति से वातावरण आध्यात्मिक हो उठता है। भगवान के दर्शन के दौरान मन में सहज ही श्रद्धा और शांति का भाव उत्पन्न होता है। मंदिर की भव्यता केवल उसकी स्थापत्य कला में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही आस्था और परंपरा में भी दिखाई देती है। मंदिर की सीढ़ियों पर मिली अनमोल मित्रता : निहारिका की आत्मीयता ने बनाया सफर यादगार इस यात्रा का सबसे आत्मीय, रोचक और अविस्मरणीय प्रसंग मंदिर की सीढ़ियों पर घटित हुआ। मीडिया के मित्रों के साथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान मेरी नजर दो युवा छात्राओं पर पड़ी। वे स्थानीय निवासी निहारिका और उनकी सहेली साक्षा थीं। दोनों छात्राएँ थीं और संभवतः मंदिर की सीढ़ियाँ चढ़ने तथा दर्शन के बाद की थकान महसूस करते हुए कुछ देर विश्राम कर रही थीं। मेरे स्वभाव में लोगों से सहज परिचय स्थापित करना और उनके अनुभव जानना हमेशा से शामिल रहा है। पत्रकारिता के लंबे अनुभव ने मुझे यह सिखाया है कि समाज को समझने के लिए केवल घटनाओं को देखना पर्याप्त नहीं, बल्कि लोगों से मिलना, उनसे संवाद करना और उनकी भावनाओं को समझना भी जरूरी है। इसी सहज प्रवृत्ति के चलते मैंने स्वयं आगे बढ़कर दोनों छात्राओं से परिचय करने की पहल की। हालाँकि मन में एक आशंका भी थी। दोनों छात्रा अहिंदीभाषी थीं। ऐसे में हिंदी में संवाद हो पाएगा मुझे कतई उम्मीद नहीं थी कि मेरा यह छोटा-सा प्रयास इतनी आत्मीय सफलता में बदल जाएगा लेकिन मेरी आशंका के विपरीत निहारिका ने जिस सहजता, सहर्षता और आत्मीय मुस्कान के साथ मेरे परिचय का प्रत्युत्तर दिया, उसने सचमुच मन जीत लिया। भाषा की सीमा और अपरिचय की झिझक को पीछे छोड़ते हुए उसने बातचीत में जिस सहयोग और अपनत्व का परिचय दिया, वह मेरे लिए अप्रत्याशित सुखद अनुभव था



शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल है कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे



कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।

हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है

पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है

जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।





सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।





सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं । आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं। शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है। सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।

ठंड में लोग चाय कॉफी-अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है। इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।



आर्य समाज सेक्टर-1 बीएचईएल हरिद्वार का 62वां वार्षिकोत्सव शुरू

- स्वामी श्रद्धानंद को भारत रत्न देने की मांग की गई,
- आर्य समाज का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान-डॉ. बलवीर तलवार
- आर्य समाज ने सामाजिक एकता के लिए किया कार्य-प्रो. विनय विद्यालंकर





के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। आर्य समाज सेक्टर-1 बीएचईएल हरिद्वार का 62वां वार्षिकोत्सव आज धूमधाम के साथ शुरू हुआ।62 वें वार्षिकोत्सव के पहले ही दिन पांच कुंडीय यज्ञ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में आर्य समाजियों के पहुंचने पर तीन कुंडीय यज्ञ को पांच कुंडीय यज्ञ में परिवर्तित करना पड़ा द्य यज्ञ के सभी यजमान उत्साहित थे द्य तीन दिवसीय सामवेद परायण यज्ञ में प्रातः के सत्र में लगभग 20 पति पत्नी यजमान बने द्य आर्य समाज बीएचईएल की कार्यकारिणी और वरिष्ठ सदस्यों के अतिरिक्त वानप्रस्थ आश्रम, आर्यसमाज आर्यनगर, इन्द्रलोक, आदि और नगर के अनेक गणमान्य व्यक्ति इस सत्र में यजमान बने। यज्ञ के ब्रह्मा और मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृत संस्थान के सचिव प्रोफेसर विनय विद्यालंकार एवं ब्रह्मचारी आर्य गुरुकुल पौंधा द्वारा वेद की ऋचाएं बोली गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय विद्यालंकार ने कहा कि आर्य समाज सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है जिसे कभी नहीं बुलाया जा सकता है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में आर्य समाज सेक्टर-1 बीएचईएल हरिद्वार के अध्यक्ष एवं बीएचईएल नई दिल्ली के पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉक्टर बलवीर तलवार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान है उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में आर्य समाज कार्यकर्ताओं ने पर छोड़कर हिस्सा लिया स्वामी श्रद्धानंद जी ने हरिद्वार में गुरुकुल की स्थापना करके आर्य समाज की शिक्षा पद्धति के माध्यम से शिक्षा का प्रचार प्रसार कर अंग्रेजों की मैकाले की शिक्षा को खुली चुनौती दी जिससे अंग्रेज सरकार हिल गई।

सम्मेलन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार से स्वामी श्रद्धानंद जी को भारत रत्न पुरस्कार देने की मांग की गई। इस अवसर पर आचार्य डॉ रामकृष्ण शास्त्री संस्था के संरक्षक ओपी बत्रा, मंत्री मदन सिंह कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता आदि ने विचार रखें इस अवसर पर भजन प्रवचन और ऋषि प्रसाद लंगर का आयोजन किया गया। सस्ता के अध्यक्ष डॉ बलबीर तलवार ने बताया कि वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सामवेद परायण यज्ञ प्रवचन भजन और ऋषि प्रसाद का आयोजन किया जाएगा और रविवार को तीसरे दिन समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि जी होंगे।

छठ पूजा पर हल्द्वानी में यातायात डायवर्जन लागू, 15 और 16 नवंबर को बदले रहेंगे वाहनों के रास्ते

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। छठ पूजा कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस ने हल्द्वानी शहर के लिए यातायात डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 15 नवंबर को दोपहर 2 बजे से रात 11 बजे तक तथा 16 नवंबर को सुबह 4 बजे से 10 बजे तक लागू रहेगी।

रामपुर रोड से हल्द्वानी शहर की ओर आने वाले वाहन गन्ना सेंटर तिराहा से गौरापड़ाव और तीनपानी होते हुए जाएंगे। पंचायतघर तिराहा से वाहनों को आनंदपुर तिराहा, आरटीओ रोड, चड़ायल चौराहा, सेंट्रल अस्पताल तिराहा और लालढांठ तिराहा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। शीतल होटल तिराहा से वाहन तीनपानी तिराहा होकर तथा टीपी नगर तिराहा से सतवाल पेट्रोल पंप और होंडा शोरूम तिराहा होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

हल्द्वानी शहर से रामपुर रोड की ओर जाने वाले दुपहिया, चौपहिया वाहन, रोडवेज और निजी बसें सिंधी चौराहा से मंगलपड़ाव, गांधी इंटर कॉलेज तिराहा और होंडा शोरूम तिराहा होते हुए भेजी जाएंगी। अन्य वाहन एफटीआई तिराहा से डायवर्ट होकर गांधी इंटर कॉलेज तिराहा के रास्ते जाएंगे। पीलीकोठी तिराहा, मुखानी चौराहा और जेल रोड तिराहा से आईटीआई तिराहा होते हुए सुशीला तिवारी अस्पताल की ओर जाने वाले वाहनों को जी मॉल, रणवीर गार्डन और देवलचौड़ तिराहा के रास्ते भेजा जाएगा। दूध, तेल, गैस और सब्जी जैसी आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को भी बाईपास मार्गों का प्रयोग करना होगा।

डायवर्जन के दौरान फायर स्टेशन तिराहा से राज पैलेस होटल तिराहा की ओर, कैंसर अस्पताल तिराहा और एफटीआई तिराहा से सुशीला तिवारी अस्पताल की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा टीपी नगर तिराहा से एफटीआई तिराहा के बीच सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी।

पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि छठ पूजा के दौरान जारी यातायात प्लान का पालन करें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से ही आवागमन करें, ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

हरिद्वार इकाई में हर्षोल्लास से मनाया गया बीएचईएल स्थापना दिवस



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का स्थापना दिवस आज बीएचईएल की हरिद्वार इकाई में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया । इस उपलक्ष्य में मुख्य प्रशासनिक भवन के परिसर में आयोजित समारोह में, बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक श्री रंजन कुमार ने बीएचईएल ध्वज फहराया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं । कार्यक्रम के दौरान बीएचईएल गीत का भी प्रसारण किया गया। अपने संबोधन में श्री रंजन कुमार ने बीएचईएल की गौरवशाली यात्रा एवं राष्ट्र निर्माण में उसके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बीएचईएल ने देश की औद्योगिक एवं ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । श्री रंजन कुमार ने बीते वर्ष के दौरान हरिद्वार इकाई की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की ।

अधिवक्ताओं के चेंबर से एसी के कॉपर पाइप और वायर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

सिडकुल पुलिस ने आनेकी पुल के पास से पकड़ा, चोरी के गलाए हुए तांबे के नौ टुकड़े बरामद

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। अधिवक्ताओं के चेंबरों में लगे एसी के कॉपर पाइप और वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों को थाना सिडकुल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का गलाया हुआ तांबा नौ टुकड़ों और गुच्छों के रूप में बरामद किया है। दोनों आरोपी पिछले कई दिनों से अधिवक्ताओं के चेंबरों को निशाना बना रहे थे।

पुलिस के अनुसार, 6 नवंबर 2026 को विपिन चंद्र द्विवेदी, एडवोकेट एवं सचिव जिला बार एसोसिएशन हरिद्वार ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर पिछले कुछ दिनों से अधिवक्ताओं के चेंबरों में लगे एसी के कॉपर पाइप और



वायर चोरी कर रहे हैं। शिकायत के आधार पर थाना सिडकुल में मुकदमा अपराध संख्या 477/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। 13 नवंबर 2026 को उपनिरीक्षक देवेंद्र चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम आनेकी पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से चोरी का गलाया हुआ तांबा नौ टूटे-फूटे टुकड़ों और गुच्छों के रूप में बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपियों की पहचान प्रवेश पुत्र पाल सिंह, उम्र करीब 25 वर्ष तथा निरदेश पुत्र बाबूराम, उम्र करीब 25 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम आनेकी हेतमपुर, थाना सिडकुल, हरिद्वार के रूप में की है। बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवेंद्र चौहान, कांस्टेबल हरि सिंह और कांस्टेबल नरेंद्र चौहान शामिल रहे।

ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा वारंटी दबोचा, नगर कोतवाली पुलिस ने दी दबिश

न्यायालय से जारी वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। न्यायालय से जारी वारंटों की शत-प्रतिशत तामील और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नगर कोतवाली पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर



दबिश दे रही थी। इसी दौरान 13 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान आशु गुप्ता उर्फ घोंचू पुत्र सिंधु गुप्ता, उम्र 32 वर्ष, निवासी विकास कॉलोनी, मायापुर, हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के विरुद्ध क्रिमिनल केस संख्या 4187/2023 में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत न्यायालय से वारंट जारी था।

नशा लक्ष्यों का बाधक, शिक्षा और अनुशासन सफलता की कुंजी : जिलाधिकारी प्रशांत आर्य

नशा मुक्त भारत अभियान की छठवीं वर्षगांठ पर करियर काउंसलिंग एवं संवाद गोष्ठी आयोजित, डीएम ने दिए सफलता के मंत्र

के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। राज्य स्थापना वर्ष 2026 के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों के क्रम में नशा मुक्त भारत अभियान की छठवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्तरकाशी के ऑडिटोरियम हॉल में करियर काउंसलिंग एवं संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखते हुए उनके सपनों, प्रतिभा एवं करियर को सही दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। गोष्ठी में छात्र-छात्राओं को भारतीय प्रशासनिक सेवाओं, प्रांतीय सिविल सेवा, शिक्षा, वन एवं वानिकी, भारतीय सेना, स्वास्थ्य, खेल एवं संगीत सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर संभावनाओं की





जानकारी दी गई। विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने तथा सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक रोडमैप भी समझाया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति को उसके सपनों से दूर ले जाता है, जबकि शिक्षा, संकल्प और सही मार्गदर्शन उसे अपने लक्ष्य के करीब पहुंचाते हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़ते हैं तो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन नशे की गिरफ्त में आने से उनका व्यक्तिगत भविष्य ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि किसी बड़ी प्रतियोगी परीक्षा अथवा जीवन के किसी भी महत्वपूर्ण लक्ष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले स्वयं को समझना और स्वयं से संवाद करना आवश्यक है। जीवन में प्रसन्नता, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन, समय का सदुपयोग, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, अटूट आत्मविश्वास, धैर्य एवं संयम सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। विद्यार्थियों को अपने पैशन को लक्ष्य बनाकर पूरे जुनून और समर्पण के साथ मेहनत करनी चाहिए। इसके साथ ही अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है।

मोबाइल और सोशल मीडिया के बजाय पुस्तकों को बनाएं अपना मित्र : अपर जिलाधिकारी

अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के अनावश्यक उपयोग से बचने, माता-पिता एवं अच्छे मित्रों के संपर्क में रहने तथा पुस्तकों को अपना सबसे अच्छा मित्र बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब तक आवश्यक न हो, एंड्रॉयड फोन के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को टाइम मैनेजमेंट अपनाने, अच्छे लेखकों की पुस्तकें पढ़ने और निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य, सेना और खेल के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर दिया मार्गदर्शन

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली एवं स्वास्थ्य विभाग में उपलब्ध विभिन्न पदों तथा उनमें चयन के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता और तैयारी के रोडमैप की जानकारी दी।

हरिद्वार में अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, 25 टेट्रा पैक बरामद

नगर कोतवाली पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज किया मुकदमा

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से देशी शराब के 25 टेट्रा पैक (मार्का माल्टा) बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर मादक पदार्थों और अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 नवंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर कुन्दन सिंह राणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विनय पुत्र विनोद गुलाटी, उम्र 37 वर्ष, निवासी पन्तद्वीप पार्किंग गेट नंबर-02,



शौचालय के पीछे स्थित झुग्गी-झोपड़ी, थाना कोतवाली नगर, हरिद्वार के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25 टेट्रा पैक अवैध देशी शराब (मार्का माल्टा) बरामद की। मामले में मुकदमा अपराध संख्या 636/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

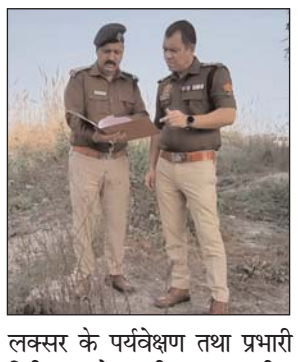
कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कुन्दन सिंह राणा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक नन्दकिशोर ग्वाड़ी, कांस्टेबल अजीत तोमर और कांस्टेबल प्रकाश खनेड़ा शामिल रहे।

लक्सर पुलिस ने वर्षों से लंबित 73 विसरा और कपड़ों के पुलिंदों का कराया निस्तारण

न्यायालय के आदेश पर गठित कमेटी की मौजूदगी में हुआ विनिष्टीकरण, वर्ष 2013 से 2025 तक के लंबित माल का निस्तारण

के.के.पी संवाददाता

लक्सर। हरिद्वार पुलिस ने थानों के मालखानों में लंबे समय से रखे लंबित माल के निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर कोतवाली लक्सर पुलिस ने वर्ष 2013 से 2025 तक के मृतकों के पोस्टमार्टम से संबंधित 73 विसरा और कपड़ों के पुलिंदों का विधिवत विनिष्टीकरण कराया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनपद के सभी थानों के मालखानों में लंबे समय से दाखिल अज्ञात शवों और मृतकों के पोस्टमार्टम से संबंधित विसरा सहित अन्य लंबित माल का नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी





लक्सर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर प्रवीण सिंह कोश्यारी के नेतृत्व में लंबित माल के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू की गई। कोतवाली लक्सर के मालखाने में वर्ष 2013 से 2025 तक के मृतकों के पोस्टमार्टम से संबंधित 73 विसरा और कपड़ों के पुलिंदे लंबित थे। इनके निस्तारण के लिए उप जिलाधिकारी और न्यायालय लक्सर से पत्राचार किया गया। न्यायालय ने 3 नवंबर 2026 को माल के निस्तारण के लिए कमेटी गठित कर आवश्यक आदेश पारित किए।

इन आदेशों के अनुपालन में 13 नवंबर 2026 को गठित कमेटी की मौजूदगी में सभी 73 विसरा और कपड़ों के पुलिंदों का नियमानुसार विनिष्टीकरण कराया गया। इस कार्रवाई से कोतवाली लक्सर के मालखाने में वर्षों से लंबित उक्त माल के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी हुई।

विनिष्टीकरण के दौरान गठित कमेटी में क्षेत्राधिकारी नगर हरिद्वार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर हरिद्वार, नायब तहसीलदार हरिद्वार, चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्सर और सहायक अभियोजन अधिकारी लक्सर शामिल रहे।

बिंदुखत्ता राजस्व गांव को लेकर इंडिया गठबंधन का 15 नवंबर को देहरादून कूच, भाकपा (माले) ने की तैयारियों की समीक्षा

के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। बिंदुखत्ता राजस्व गांव की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन द्वारा 15 नवंबर को आहूत 'मुख्यमंत्री आवास देहरादून कूच' की तैयारियों की समीक्षा के लिए भाकपा (माले) बिंदुखत्ता कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में तय किया गया कि रैली में हजारों बिंदुखत्ता वासी शामिल होंगे।

भाकपा (माले) नैनीताल जिला सचिव डॉ. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों से बिंदुखत्ता राजस्व गांव के नाम पर जनता से छल किया है, जिससे यहां भारी जन आक्रोश है। सरकार जनता को भ्रम में डालकर उलझाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को निर्वनीकरण करते हुए वन भूमि से राजस्व भूमि में हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, तभी राजस्व



गांव का मार्ग प्रशस्त होगा।

अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद नेगी ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री धामी के भीतर बिंदुखत्ता की जनता के प्रति जरा सी भी संवेदनशीलता है तो विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर वन भूमि पर बसी संपूर्ण आबादी को भूमि का मालिकाना अधिकार देते हुए राजस्व गांव बनाने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जाना चाहिए और विधानसभा चुनाव से पहले प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। अन्यथा जनता आगामी चुनाव में भाजपा को करारा जवाब देने को तैयार है।

बैठक में बताया गया कि 15 नवंबर की रैली में भाकपा (माले) और किसान महासभा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसके लिए जनसहयोग से बसों की व्यवस्था की गई है, जो 14 नवंबर की रात 8 बजे कार रोड चौराहा से रवाना होंगी। सभी बिंदुखत्ता वासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई। बैठक में डॉ. कैलाश पाण्डेय, आनंद सिंह नेगी, पुष्कर दुबड़िया, विमला रौथाण, आनंद सिंह सिजवाली, किशन सिंह बघरी, नैन सिंह कोरंगा, धीरज कुमार, निर्मला शाही, हरीश भंडारी, कमलापति जोशी, त्रिलोक राम, अंबा दत्त बसखेती, आनंद दानू आदि सम्मिलित रहे।

कुंभ-2027 में अखाड़ों की भव्य पेशवाई बनेगी धार्मिक एवं सांस्कृतिक वैभव का प्रमुख आकर्षण

कुंभ-2027 : जूना अखाड़े की पेशवाई की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन और अखाड़े के बीच मंथन

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 में अखाड़ों की भव्य पेशवाइयां धार्मिक एवं सांस्कृतिक आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगी। इन पारंपरिक शोभायात्राओं के साथ ही अखाड़े अपनी छावनियों में प्रवेश कर कुंभ पर्व में प्रतिभाग करेंगे। पेशवाई के दौरान श्रद्धालुओं और धर्म-संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों को अखाड़ों की समृद्ध परंपराओं, धार्मिक वैभव और विशिष्ट पारंपरिक स्वरूप के दर्शन का अवसर मिलेगा। इन आयोजनों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मेला प्रशासन और अखाड़ों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मेला प्रशासन, पुलिस एवं विभिन्न विभागों के



अधिकारियों ने जूना अखाड़े के पदाधिकारियों के साथ प्रस्तावित पेशवाई मार्ग, रमता पंचों के विश्राम स्थल और अखाड़े की छावनी से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

पांडेवाला स्थित गुघाल मंदिर परिसर में अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती सहित अन्य अधिकारियों एवं अखाड़े के संतों ने पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत पेशवाई के आयोजन एवं उससे संबंधित व्यवस्थाओं की रूपरेखा पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने पांडेवाला मंदिर से जूना अखाड़े की छावनी तक के पारंपरिक मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख चौराहों, बाजारों, संकरे स्थलों एवं संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पेशवाई से संबंधित रमता पंचों के श्यामपुर स्थित विश्राम स्थल तथा वहां से पेशवाई के प्रस्थान की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। रमता पंचों के विश्राम स्थल से पेशवाई के प्रारंभिक स्थल और वहां से जूना अखाड़े की छावनी तक की व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। पेशवाई में शामिल होने वाले साधु-संतों, अखाड़े के प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात प्रबंधन, निर्बाध आवागमन तथा स्वच्छता की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान मार्ग की मरम्मत एवं सुधार, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा शिविर, अग्निशमन प्रबंध तथा मार्ग में आने वाले पेड़ों की लॉपिंग सहित विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इसके साथ ही पेशवाई के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा यातायात सुचारु रखने के लिए आवश्यक प्रबंधों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने जूना अखाड़े के अध्यक्ष प्रेमगिरि महाराज, उपाध्यक्ष श्री महेश पुरी एवं सचिव श्री शैलेन्द्र गिरि जी महाराज तथा महंत भास्कर पुरी से व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

अखाड़े के पदाधिकारियों से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि पेशवाई के दौरान साधु-संतों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गौकशी के मामलों में फरार दो आरोपियों के घर ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी

न्यायालय के उद्घोषणा आदेश किए गए चस्पा, सिकरोड़ा गांव में भगवानपुर पुलिस ने की कार्रवाई

के.के.पी संवाददाता

भगवानपुर। गौकशी के मामलों में फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ हरिद्वार पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह के निर्देश पर कोतवाली भगवानपुर पुलिस ने ग्राम सिकरोड़ा में दो वांछित आरोपियों के घरों पर ढोल-नगाड़ों के साथ सार्वजनिक मुनादी कराई और न्यायालय द्वारा जारी उद्घोषणा आदेश चस्पा किए। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भगवानपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 13 नवंबर 2026 को यह कार्रवाई की। गौकशी के



मामले में फरार चल रहे दोनों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 के तहत उद्घोषणा आदेश जारी किए गए थे। पुलिस टीम ग्राम सिकरोड़ा पहुंची और आरोपियों के घरों पर ढोल बजवाकर सार्वजनिक रूप से मुनादी कराई। इसके बाद न्यायालय के आदेश उनके घरों पर चस्पा किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समयावधि में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के लिए रोजगारपरक कोचिंग योजना की आय सीमा 2 लाख से बढ़ाकर 8 लाख

के.के.पी संवाददाता/देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित निःशुल्क कोचिंग योजना में प्रशिक्षणार्थियों की पात्रता हेतु निर्धारित पारिवारिक वार्षिक आय सीमा को 2 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दिया गया है। सचिव समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, पूर्व में इस योजना के अंतर्गत उन्हीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को पात्र माना जाता था, जिनके परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 2 लाख से अधिक नहीं थी। अब इस सीमा को बढ़ाकर 8 लाख किए जाने से अधिक विद्यार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा। यह निर्णय रोजगारपरक प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा आर्थिक रूप से अधिक परिवारों के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग से जोड़ने में सहायक होगा।

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर विद्यार्थियों को बड़ी राहत, रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय
- नि:शुल्क कोचिंग योजना के तहत पात्रता के लिए पारिवारिक वार्षिक आय सीमा में चार गुना वृद्धि
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को मिलेगा लाभ।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर चार्ज अधिकारियों के साथ की बैठक

जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध एवं त्वरित गति से पूरा करने के दिए निर्देश

- 16 से 30 नवंबर तक संचालित होगी स्वगणना की प्रक्रिया, 30 हजार से अधिक नागरिकों की सहभागिता का रखा गया लक्ष्य
- आपके 40 उत्तर, जनगणना को बनाएंगे आसान और तेज

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित चार्ज अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने जनगणना से संबंधित सभी तैयारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने तथा जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्यों को त्वरित गति से हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना



एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए इसे सफल बनाना सुनिश्चित करें।

बैठक में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत संचालित होने वाली स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित स्वगणना की सुविधा के माध्यम से जनपद के लगभग 9,000 नागरिकों ने स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहभागिता की थी। अब जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां प्रगति पर हैं। इसके अंतर्गत प्रगणकों (Enumerators) एवं पर्यवेक्षकों (Supervisors) का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। द्वितीय चरण में 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्वगणना की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इस चरण में नागरिकों से कुल 40 प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि स्वगणना के दौरान पूछे जाने वाले यही 40 प्रश्न बाद में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनगणना के दौरान भी पूछे जाएंगे। स्वगणना का प्रमुख लाभ यह है कि नागरिक अपने परिवार से संबंधित सभी 40 प्रश्नों के उत्तर स्वयं, व्यक्तिगत रूप से एवं अपनी सुविधानुसार दर्ज कर सकेंगे।

ऑपरेशन प्रहार : जमीन विवाद में हुड़दंग और मारपीट पर उतारू दो व्यक्ति गिरफ्तार

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए श्यामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नल्लोवाला में हुड़दंग और लड़ाई-झगड़ा कर रहे दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है।

पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को थाना श्यामपुर पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि ग्राम नल्लोवाला में कुछ व्यक्ति जमीन विवाद को लेकर आपस में लड़ाई-झगड़ा कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां कुछ व्यक्ति जमीन विवाद को लेकर हंगामा, गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू थे।

पुलिस ने दोनों पक्षों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन संबंधित व्यक्ति और अधिक उत्तेजित होकर आमादा



फसाद हो गए। संज्ञेय अपराध होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने नूर आलम पुत्र गुलाम अली तथा शाहनवाज पुत्र नूर आलम, निवासी ग्राम नल्लोवाला, गैण्डीखाता, थाना श्यामपुर, जनपद हरिद्वार को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत हिरासत में ले लिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक रचना पठानिया, कांस्टेबल चालक मनोज कुमार और कांस्टेबल गंभीर सिंह शामिल रहे।

उत्तराखण्ड में स्स्क्रकी शुरुआत, ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित

11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय ● 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान संपादित किया जा रहा है। राज्य में 12 नवंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में उत्तराखण्ड में कुल 7278035 मतदाता शामिल किए गए हैं। जिसमें 34,84,447 महिला, 37,93,373 पुरुष मतदाता एवं 215 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके अतरिक्त प्रदेश में सर्विस मतदाताओं की संख्या 86,028 है। जिसमें 83,352 पुरुष एवं 2,676 महिला शामिल हैं। वर्तमान में मतदान केंद्रों के पुनर्गठन के बाद प्रदेश में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 12498 हो गई है।



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में 4 से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान संपादित किया गया। इस अभियान में 125216 मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए गए जबकि 6130 मतदाताओं के फार्म 7 प्राप्त होने पर विधिवत निस्तारित किए गए।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखण्ड राज्य की ड्राफ्ट मतदाता सूची को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट 222.1श्ह्लद्गह्म.द्दष्ठ्र.द्दश1.द्बठ्ठ एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाईट 222.ष्ट्रश्र.ह्वह्म.द्दश1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन विजिट कर देखा जा सकता है। इसके साथ ही डीईओ / ईआरओ कार्यालय एव बीएलओ के माध्यम से भी सूची को देखा जा सकता है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची की प्रति मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को साफ्ट कॉपी उपलब्ध करायी गई है। जनपद स्तर पर मतदाता सूची की हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई जा रही है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद ऐसे व्यक्ति जो 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं या किन्ही कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं वे 11 दिसंबर 2026 तक फार्म 6 भरकर अपने बीएलओ के माध्यम से ऑफलाइन मोड में आवेदन कर सकते इसके साथ ही ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म 6 भरकर आवेदन किया जा सकता है।

उत्तराखण्ड राज्य में हाल में ही संम्पादित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 के तहत 03 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया था जिसमें 7158949 मतदाताओं में (3421036 महिला, 3737701 पुरुष, 212 थर्ड जेंडर मतदाता) शामिल थे।

आयोग द्वारा जारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के कार्यक्रमानुसार 12 नवंबर 2026 से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही 28 दिसंबर 2026 तक दावे-आपत्तियों की सुनवाई भी की जाएगी। 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास भी अम्पस्थित रहे।

आईआईटी रुड़की के गोविंद भवन में छात्र का शव फंदे से लटका मिला

के.के.पी संवाददाता

रुड़की। आईआईटी रुड़की के गोविंद भवन में शुक्रवार देर रात एक छात्र का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली रुड़की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। क्षेत्राधिकारी भगवानपुर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि फील्ड यूनिट ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के अनुसार, 13 नवंबर 2026 की देर रात आईआईटी रुड़की के सुरक्षा अधिकारी कुलदीप सिंह नेगी ने कोतवाली रुड़की को सूचना दी कि गोविंद भवन में एक छात्र ने फांसी लगा ली है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट, रात्रि अधिकारी ध्वजवीर सिंह और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम गोविंद भवन की दूसरी मंजिल स्थित कमरा नंबर बीएस-10 में पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुलने



पर सुरक्षा गार्डों की मदद से उसे खुलवाया गया। इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

कमरे के अंदर छात्र चादर के फंदे के सहारे पंखे से लटका मिला। उसकी पहचान आयुष रजौरिया पुत्र शैलेश रजौरिया, निवासी 410 बांके बिहारी शरणम, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई। मौके पर पहुंचे आईआईटी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. मयंक शर्मा ने छात्र का परीक्षण किया। चिकित्सक के अनुसार, मृत्यु लगभग पांच से छह घंटे पूर्व हुई थी।

सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी भगवानपुर सुमित पाण्डेय भी मौके पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी में घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस ने लैपटॉप को पासवर्ड के माध्यम से खोलकर आवश्यक निरीक्षण किया। इसके बाद शव को सिविल अस्पताल रुड़की भिजवाया गया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस के अनुसार, परिजनों के पहुंचने पर पंचायतनामा की कार्रवाई की जाएगी।

घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फील्ड यूनिट को बुलाया गया। पुलिस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है। छात्र की मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कुम्भ-2027: हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाएं होंगी पुख्ता





के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कुम्भ मेला-2027 में श्रद्धालुओं की भारी आमद को देखते हुए हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर तैयारियां तेज हो गई हैं। जिसे देखते हुए हरिद्वार स्टेशन के साथी आसपास के रेलवे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं के विस्तार से लेकर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षित आवागमन तक, सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका, आईजी (कुम्भ) डॉ. योगेन्द्र सिंह रावत, उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की मंडलीय रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी (कुम्भ) आयुष अग्रवाल ने हरिद्वार रेलवे स्टेशन का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही, सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे द्वारा की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन, ट्रेन संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से विचार-विमर्श भी हुआ।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नवनिर्मित अनारक्षित टिकट केंद्र, प्रतीक्षालय, होल्डिंग एरिया और यात्री आवागमन के लिए प्रस्तावित व्यवस्थाओं को देखा। रेलवे अधिकारियों ने मेले के दौरान संभावित यात्री संख्या के अनुरूप की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर मेलाधिकारी और पुलिस अधिकारियों ने कहा कि देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के हरिद्वार कुंभ में पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए स्टेशन पर बेहतर यात्री सुविधाओं के साथ ही भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाएं ठोस, व्यावहारिक और सुव्यवस्थित होनी चाहिए। यात्रियों के प्रवेश, निकास, ठहराव और आवागमन की स्पष्ट और त्रुटिरहित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सट्टे की खाईबाड़ी करते एक आरोपी गिरफ्तार, सट्टा बुक और 1250 रुपये बरामद

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस ने सिडकुल थाना क्षेत्र में सट्टे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा बुक, पेन और 1250 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 1 मई 2026 को सिडकुल पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए निखिल को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टा बुक, पेन और 1250 रुपये बरामद हुए। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा अपराध संख्या दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान



निखिल पुत्र बबलू निवासी ग्राम ठोकरपुर, थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी नानू का मकान, रावली महदूद, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में सुनील सैनी और कांस्टेबल रोहित कुमार शामिल रहे।

लोन क्लोजर के 1.44 लाख रुपये हड़पने वाला आरोपी कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार पुलिस ने लोन क्लोजर की रकम हड़पने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को हरियाणा के कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 1 लाख 44 हजार 300 रुपये की धनराशि कंपनी में जमा कराने के बजाय स्वयं हड़पने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई 2026 को जगजीतपुर, कनखल निवासी आशीष गोयल ने कोतवाली रानीपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने भारत फाइनेंस इन्क्लूजन लिमिटेड की शिवालिक नगर शाखा से लोन लिया था। लोन क्लोजर के लिए निर्धारित 1,44,300 रुपये कंपनी के तत्कालीन लोन अधिकारी एवं फील्ड ऑफिसर मिंटू कुमार गुज्जर सहित अन्य लोगों ने प्राप्त कर लिए, लेकिन



यह धनराशि कंपनी की शाखा में जमा नहीं कराई गई।

शिकायत के आधार पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा अपराध संख्या 270/26, धारा 316(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने डिजिटल और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए आरोपी की तलाश जारी रखी।

मुनस्यारी में पर्यटन विकास को मिलेगी नई दिशा, अनियोजित पर्यटन को व्यवस्थित रूप से विकसित करेगी सरकार : सतपाल महाराज

के.के.पी संवाददाता

पिथौरागढ़। धारचूला के दांतू गांव का भ्रमण करने के बाद लोक निर्माण एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज देर शाम मुनस्यारी पहुंचे। पत्रकार वार्ता कर क्षेत्र में पर्यटन विकास, आधारभूत सुविधाओं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं की जानकारी दी।



मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मुनस्यारी पर्यटन की दृष्टि से तेजी से उभर रहा है। यहां अनियोजित (अनऑर्गेनाइज्ड) पर्यटन को सुनियोजित एवं व्यवस्थित (ऑर्गेनाइज्ड) तरीके से विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में सी-बकथॉर्न के उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर संबंधित विभागों से चर्चा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सी-बकथॉर्न की अपार संभावनाएं हैं, जिससे स्थानीय किसानों एवं ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत किया जा सकता है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदि कैलाश यात्रा एवं सीमांत क्षेत्रों के विकास को लेकर विशेष लगाव है। इसी क्रम में व्यास वैली में महर्षि वेदव्यास की मूर्ति स्थापित करने तथा कुटी गांव में पांडवों से जुड़े ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को विकसित करने की योजना पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने मुनस्यारी को पर्यटन की दृष्टि से बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए मिलम-जोहाड़ क्षेत्र को जोशीमठ से जोड़ने की संभावनाओं पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर स्थानीय लोगो द्वारा थामरी कुंड ट्रेक पर हट्स निर्माण, बेटूलीधार में स्कीइंग स्थल के विकास तथा स्थानीय युवाओं को गाइड प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग रखी और मल्ला जोहार क्षेत्र के सुमतु से बृजगंगा तक ट्रेक रूट विकसित करने सहित क्षेत्र की विभिन्न पर्यटन संबंधी मांगें मंत्री के समक्ष रखीं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

18 नवंबर को जनपद के 1,10,925 बच्चों को खिलाई जाएगी कृमि मुक्ति की दवा एल्बेंडाजोल

कृमि मुक्ति अभियान के तहत 18 नवंबर को मुख्य दिवस एवं 25 नवंबर को मॉप-अप दिवस का होगा आयोजन

अभियान में शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश।



के.के.पी संवाददाता

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल आयोजन एवं तैयारियों को लेकर आज जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद में आगामी 18 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस तथा 25 नवंबर 2026 को मॉप-अप दिवस आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जनपद में 01 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1,10,925 बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा एल्बेंडाजोल खिलाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान के निर्धारित दिवसों में जनपद के समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र तथा संबंधित संस्थान अनिवार्य रूप से खुले रहेंगे तथा बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि कोई भी पात्र बच्चा कृमि मुक्ति की दवा से वंचित न रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन करने तथा सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए कृमि संक्रमण से बचाव आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान को गंभीरता से लें तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत बच्चों को दवा खिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.एस. चुफाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप मर्तोलिया, मुख्य शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम, आरबीएसके मैनेजर, आरकेएसके काउंसलर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थाई राजधानी के लिये पूर्व आईएएस विनोद रतूड़ी अनशन में बैठे, 15 को होंगी हल्द्वानी में रैली

राज्यवासियो को पुन : एकजुट होने की आवश्यकता

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड की स्थायी राजधानी गैरसैंण बनाए जाने की मांग को लेकर 18अक्टूबर से बुद्धपार्क में अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन चल रहा है आज अनशन में पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी बैठे उन्होंने कहा राज्य आंदोलनकारियों और राज्यवासियो के वर्तमान हालात देखकर बहुत दुख होता है दर्द उत्तराखंड भारत का इकलौता राज्य है जिसे पाने के लिये राज्य में 43 शहादत हुई एक दशक तक आंदोलन चला आज राज्यवासियों को एक बार फिर से एकजुट होने की आवश्यकता है.



उन्होंने बताया कि पिछले 27दिनों से राज्य के कई हिस्सों से हल्द्वानी में पहुंचकर इस अभियान को समर्थन दें रहें है आंदोलन को बड़े स्तर पर समर्थन मिल रहा है जिसे महसूस हो रहा है कि राज्य की राजधानी का यह संघर्ष सफल होगा. उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को 12:00 बजे से हल्द्वानी शहर में जन जागरूकता रैली की जाएगी उन्होंने जनता से अधिक संख्या में समर्थन देने की अपील की उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण पहाड़ के अस्तित्व, अस्मिता और संस्कृति की सुरक्षा के लिये हुआ लेकिन राज्य गठन के वर्षों बाद भी स्थायी राजधानी का प्रश्न अधूरा है।

उन्होंने कहा, 'पहाड़ के खेत, किसान, गांव और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाने के लिए गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाना आवश्यक है। राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों के सपनों को अब और अधूरा नहीं रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विशेष प्रतिवेदक शोमिता बिस्वास ने नैनीताल में ली समीक्षा बैठक

के.के.पी संवाददाता

नैनीताल। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली की विशेष प्रतिवेदक (Special Rapporteur) श्रीमती शोमिता बिस्वास की अध्यक्षता में नैनीताल क्लब, मल्लीताल में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त विभागों द्वारा मानवाधिकार संरक्षण, महिला, बालक, वृद्ध, दिव्यांग एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण हेतु चलाई जा रही योजनाओं की विभागवार प्रस्तुति (PPT) के माध्यम से समीक्षा की गई। बैठक में महिला कल्याण विभाग, नैनीताल के अंतर्गत पंजीकृत राजकीय संस्थाओं संप्रेषण गृह (किशोर), राजकीय संप्रेषण गृह (किशोरी), राजकीय महिला कल्याण एवं पुनर्वास केंद्र, राजकीय विशिष्ट



दत्तक ग्रहण अभिकरण आदि की विस्तृत जानकारी ली गई। बिस्वास ने कहा कि सभी नाबालिग बालक और बालिकाओं का समय सीमा के अंतर्गत निरीक्षण किया जाए और सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना व अन्य सुविधाओं का लाभ उन्हें समय पर प्रदान किया जाए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए तथा आश्रय गृहों, बाल कल्याण समिति एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाई की व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जाए उन्होंने आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि वह इन सभी बालक बालिकाओं हेतु मर्म चिकित्सा व अन्य चिकित्सा के माध्यम से भी उन्हें जोड़ने का प्रयास करें ताकि वह शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहें उन्होंने कहा कि लंबित जो भी समस्या है उनके शीघ्र निराकरण हेतु प्रस्ताव तैयार रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की कोई भी आवश्यकताओं को सुचारू रूप से चलाया जा सके।

गौला के 431और नंधौर के 50 खनन वाहनों का हुआ स्वामित्व परिवर्तन

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर हुई कार्रवाई, मृतक वाहन स्वामियों के आश्रितों को भी मिली राहत

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। गौला और नंधौर नदी में खनन कार्य में लगे वाहनों के स्वामित्व परिवर्तन की प्रक्रिया को गति देते हुए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर गौला नदी में पंजीकृत 431 खनन वाहनों तथा नंधौर नदी के 50 वाहनों का स्वामित्व परिवर्तन किया गया है।

खनन समिति की इस प्रक्रिया के तहत खनन वाहनों के स्वामित्व परिवर्तन की कार्रवाई पूरी की गई है। इसके साथ ही मृतक वाहन स्वामियों के आश्रितों के नाम पर भी वाहनों का स्वामित्व परिवर्तन किया गया है, जिससे संबंधित परिवारों को राहत



मिली है।

जिला प्रशासन की इस पहल से खनन कारोबार से जुड़े वाहन स्वामियों और मृतक वाहन स्वामियों के आश्रितों को बड़ी सुविधा मिली है। स्वामित्व परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी होने से अब संबंधित वाहन स्वामी नियमानुसार अपने वाहनों का संचालन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री धामी के विजन से प्रकृति संरक्षण और पर्यटन विकास की मिसाल बना रामनगर का नगर वन



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी/रामनगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन विकास और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

इसी सोच को धरातल पर उतारता रामनगर का नगर वन (सिटी फॉरेस्ट) प्रकृति संरक्षण, मनोरंजन और पर्यटन का आकर्षक केंद्र बनकर उभर रहा है। रामनगर वन प्रभाग द्वारा 47.60 लाख रुपये की लागत से 17 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस नगर वन में नवग्रह वाटिका, नक्षत्र वाटिका, पंचवटी, बाल वाटिका, तितली वाटिका, गुलाब वाटिका, रुद्राक्ष वाटिका, त्रिफला वाटिका, मियावाकी वन और पॉलिनेटर पार्क सहित कई आकर्षक स्थल विकसित किए गए हैं।

बच्चों और स्थानीय नागरिकों के लिए खास आकर्षण

नगर वन में विकसित बाल वाटिका बच्चों के लिए मनोरंजन का विशेष केंद्र है। यहां बच्चे खेलकूद के साथ प्रकृति को करीब से जानने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कल देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमताल का किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी – मंत्री राम सिंह कैड़ा

आपातकालीन स्थिति में मरीजों को भीमताल में ही मिले बेहतर उपचार, अत्यंत गंभीर स्थिति में ही किया जाए रेफर – मंत्री कैड़ा

के.के.पी संवाददाता

भीमताल। भीमताल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने गुरुवार देर रात भीमताल नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री कैड़ा ने अस्पताल में तैनात चिकित्सकों से स्वास्थ्य सुविधाओं, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, मरीजों के उपचार एवं अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि अस्पताल पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उचित एवं बेहतर उपचार



उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी भी मरीज को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

मंत्री कैड़ा ने विशेष रूप से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को लेकर चिकित्सकों को निर्देशित करते हुए कहा कि इमरजेंसी के दौरान अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों का प्राथमिकता के आधार पर भीमताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं अथवा सामान्य आपातकालीन परिस्थितियों में अनावश्यक रूप से अन्य अस्पतालों में रेफर न किया जाए।

केवल अत्यंत गंभीर स्थिति में, जब मरीज के उपचार के लिए उच्च चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता हो, तभी चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार अन्यत्र रेफर किया जाए।

भ्रष्टाचार और पलायन के खिलाफ कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने सरकार को घेरा

के.के.पी संवाददाता

कालाढूंगी। कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्य सरकार की नीतियों और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है। इस मुहिम के तहत नेताओं ने जनता के बीच जाकर राज्य के मौजूदा हालातों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार ने सारी सीमाएं लांघ दी हैं। राज्य की कीमती जल, जंगल और जमीन को कथित तौर पर उद्योगपतियों और चहेते व्यवसायियों को सौंपा जा रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं और कारोबारियों के लिए रोजगार के अवसर सीमित हो रहे हैं।उन्होंने दावा किया कि राज्य में अफसरशाही, शराब माफिया, भू-माफिया और खनन माफियाओं का गठजोड़ पूरी तरह हावी हो चुका है।पलायन के मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के पहाड़ लगातार खाली हो रहे हैं, सैकड़ों गांव 'घोस्ट विलेज' बन



चुके हैं, और 5,000 से अधिक जूनियर हाईस्कूल व प्राथमिक विद्यालय बंद हो चुके हैं।महिला अपराधों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा खोखला साबित हो रहा है। साथ ही, अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले की सीबीआई जांच को ठंडे बस्ते में डालने और इससे जुड़े एक प्रभावशाली व्यक्ति को राज्यपाल बनाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई गई।?मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप।सभा के दौरान कुछ मंत्रियों के विभागों और संपत्तियों से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई।?कांग्रेस ने इस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जनता को जागरूक करने और सरकार की नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात कही है।इस दौरान जिला अध्यक्ष राहुल छिमवाल,पूर्व सांसद महेंद्र पाल,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष दीप चंद्र सती,वरिष्ठ कांग्रेसी अवतार सिंह,भोला दत्त भट्ट,जिला पंचायत सदस्य अर्णव कंबोज,सभासद रोहित बुधलाकोटी,महिला नेत्री जया कर्नाटक,रंजीत कौर,सहित पियूष बिष्ट,संतोष पांडे,कमल अधिकारी,संजय किरौला,आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुखानी गैंगरेप मामला : एसएसपी नैनीताल डॉ0 मंजूनाथ टी0सी0 का महिला अपराध पर कड़ा एक्शन

मामले में संलिप्त शहर में चर्चित ITI गैंग के 04 सदस्य 06 घंटे के भीतर गिरफ्तार

कुकृत्य के आरोप में एबीवीपी के प्रत्याशी रहे धीरज बिष्ट और उसके चार साथी गिरफ्तार। गुरुवार रात मुखानी थाना क्षेत्र के होटल त्रिशूल में हुई घटना।

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्रान्तर्गत एक नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी0सी0 द्वारा अत्यंत कड़ा रुख अपनाया गया है।

कल देर रात, एक पीड़ित (नाबालिग बच्ची) के परिजन ने कोतवाली मुखानी में तहरीर दी कि उनकी बच्ची के साथ 4 लड़कों ने उसको डरा धमकाकर बहला फुसलाकर एक होटल में ले जाकर दरिंदगी का काम किया।

इस गंभीर घटना में तत्काल



संज्ञान लेते हुए एसएसपी नैनीताल द्वारा कोतवाली मुखानी पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया तथा अधीनस्थों को आरोपियों की गिरफ्तारी करने के सख्त निर्देश दिए। जिसके फलस्वरूप प्रभारी निरीक्षक मुखानी सुशील जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मामले में संलिप्त आरोपी- धीरज बिष्ट, नितिन पाल, अंश खत्री, हिमांशु गोनी को मात्र 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है। 04 आरोपी शहर के चर्चित ITI गैंग के सदस्य बताए जा रहे हैं। उक्त मामले में एसएसपी नैनीताल ने स्वयं पुलिस कार्रवाई की मानिटरिंग की और घटना के कुछ ही घंटों के भीतर सभी नामजद अभियुक्तों को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया।

एसएसपी नैनीताल का कड़ा संदेश — 'बाल अपराधों पर जीरो टॉलरेंस '

एसएसपी नैनीताल ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नाबालिग बच्चों और बच्चियों के साथ दरिंदगी या अपराध करने वाले असामाजिक तत्वों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे कुख्यात अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अत्यंत सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जनपद में महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले इस प्रकार के अपराधों पर आगे भी इसी प्रकार की सख्त और कड़क कार्रवाई जारी रहेगी।

दो दिवसीय भीमताल लेक कार्निवाल का होगा आयोजन

14 एवं 15 नवम्बर को सजेगी सांस्कृतिक एवं बॉलीवुड प्रस्तुतियों की महफिल

के.के.पी संवाददाता

भीमताल। आगामी 14 एवं 15 नवम्बर को दो दिवसीय लेक कार्निवाल का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत दोनों दिन सांस्कृतिक एवं मनोरंजन से भरपूर संध्याओं का आयोजन किया जाएगा।

सचिव लेक कार्निवाल आयोजन समिति नितिन राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 नवम्बर को सायं 7 बजे से डांठ, भीमताल में उत्तराखंड फोक नाइट आयोजित की जाएगी। इसमें प्रसिद्ध लोकगायिका स्वाति भट्ट एवं लोकगायक किशन महिपाल अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और संगीत की छटा बिखेरेंगे तथा विहान सांस्कृतिक ग्रुप अल्मोड़ा द्वारा भी प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि कार्निवाल के दूसरे दिन 15 नवम्बर को



सायं 7 बजे से बॉलीवुड नाइट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दिल्ली का प्रसिद्ध द तत्व बैंड अपनी आकर्षक संगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेगा तथा हुड़किया बैंड रुद्रपुर द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि डांठ पार्किंग व दीनदयाल पार्क स्थित पार्किंग स्थल को बंद रखते हुए एलपी इंटर कॉलेज व जिला पंचायत डाक बंगले में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने क्षेत्रवासियों एवं पर्यटकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्निवाल में प्रतिभाग कर इस सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लें। इस दौरान लेक कार्निवाल आयोजन समिति सहसंयोजक पंकज जोशी, उपाध्यक्ष नीतेश बिष्ट, सांस्कृतिक सचिव पूरन जोशी, संयुक्त सचिव शरद पांडे व मोहित पडियार, कमल जोशी, पंकज उप्रेती, प्रकाश कनोजिया, प्रकाश आर्या, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, जिला विकास अधिकारी संतोष कुमार पंत, सहायक परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल आदि उपस्थित थे।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616